अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उनाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर,श्रावस्ती, उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुल्तानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 221 | लखनऊ, गुरुवार, 26 फरवरी 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

निवेशकों के लिए यूपी बड़ा बाजार : योगी

निवेश रोड शो में मुख्यमंत्री योगी ने जापान के उद्यमियों को दिया यूपी में निवेश का न्योता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● यूपी के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा भारत-जापान औद्योगिक सहयोग : योगी

लखनऊ/टोक्यो। उत्तर प्रदेश में दुनिया के बड़े निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर के बाद जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचे। यहां आयोजित वृहद यूपी निवेश रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां के उद्योगपतियों और निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश करने का आमंत्रण दिया। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज सुरक्षित माहौल, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी बाजार क्षमता और युवा कार्यबल के कारण निवेश के लिए भारत का सबसे बेहतर राज्य बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योगपतियों से उत्तर प्रदेश आने, निवेश करने और प्रदेश के आध्यात्मिक स्थलों का अनुभव लेने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास जताया कि यूपी में निवेश के माध्यम से भारत-जापान औद्योगिक सहयोग भविष्य में और मजबूत होगा।

जापान को 'लैंड ऑफ द सनराइज' बताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस पावन धरा को नमन करता हूं। उत्तर प्रदेश सूर्यवंश के राजा भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली है। यही नहीं, भगवान बुद्ध की पावन कर्मभूमि भी उत्तर प्रदेश ही है। भगवान बुद्ध से जुड़े विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थल कपिलवस्तु, सारनाथ, श्रावस्ती, कुशीनगर, कौशांबी, सहित अनेक पवित्र स्थल उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व

में रामायण सर्किट एवं बौद्ध सर्किट को प्रभावी ढंग से विकसित किया जा रहा है, जिससे स्पिरिचुअल टूरिज्म को नई गति मिली है। जब भगवान राम और भगवान बुद्ध की बात होती है, तो यह सूर्यवंश की उस महान परंपरा से जुड़ती है, जिसकी प्रथम किरण का उदय जापान की धरती पर होता है। इसी सांस्कृतिक आत्मीयता के साथ मैं आप सभी का स्वागत करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। जितनी बड़ी आबादी है, उतनी ही बड़ी चुनौतियां हैं और उतनी ही विशाल संभावनाएं भी हैं। पिछले नौ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना बढ़ी है। जो राज्य कभी बीमारू कहा जाता था, वह आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। उन्होंने बताया कि देश की केवल 11 प्रतिशत कृषि भूमि होने के बावजूद उत्तर प्रदेश देश का करीब 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन करता है। इससे फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और एग्री लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में बड़े निवेश के अवसर हैं।

मुख्यमंत्री योगी के जापान दौरे के पहले दिन लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

लखनऊ/जापान। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जापान में जिन कंपनियों के साथ उप्र सरकार के एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है।

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग से सेमीकंडक्टर तक अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश इसलिए सुरक्षित है क्योंकि यहां स्केल, स्किल, स्टेबिलिटी और स्पीड चारों उपलब्ध हैं। भारत के मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में हो रहा है। डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश की अच्छी संभावनाएं हैं। हाल ही में नोएडा क्षेत्र में सेमीकंडक्टर यूनिट की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के पास 75,000 एकड़ का लैंड बैंक उपलब्ध है।

संक्षिप्त

ईडी का अनिल अंबानी पर एक्शन, मुंबई का 3716 करोड़ रुपये का घर अटैच

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के कथित बैंक घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई के पाली हिल स्थित आवास 'अबोड' को अटैच कर लिया है। अटैच की गई प्रापर्टी की कीमत 3,716.83 करोड़ रुपये है। ईडी के अनुसार इससे पहले इस प्रॉपर्टी का 473.17 करोड़ रुपये का हिस्सा अटैच किया गया था। आज की गई नई कार्रवाई के साथ अनिल अंबानी की अब तक अटैच की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत 15,700 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है।

सीबीआई की 6 राज्यों में छापेमारी, डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के 3 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1.86 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में ब्लेसिन जैकब अब्राहम (गोवा से), मोहम्मद मुश्ताक (नागपुर से) और मोहम्मद जुनैद (बेंगलुरु से) शामिल हैं। एजेंसी ने बुधवार को गोवा, बेंगलुरु, पलक्कड़, नागपुर, हैदराबाद और दिल्ली में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान डिजिटल उपकरण, डेबिट कार्ड, बैंक दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की गई। सीबीआई के मुताबिक, ब्लेसिन जैकब अब्राहम म्यूल खाता (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले फर्जी खाते) ऑपरेटर है और क्रिप्टो करेंसी लेन-देन में अहम भूमिका निभाता था।

उप्र के 38 जनपदों के नाविकों को मिलेगी 66077 लाइफ जैकेट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नदियों में संचालित पंजीकृत नावों के नाविकों तथा यात्रियों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा पी.ए.सी. के माध्यम से 38 जनपदों के पंजीकृत नौकाओं के स्वामियों को लाइफ जैकेट वितरित किये जायेंगे। इस हेतु संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी के नियंत्रण में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को नोडल अधिकारी नामित करते हुए 15 दिनों के भीतर स्थानीय जन प्रतिनिधियों के समक्ष लाइफ जैकेट वितरित करने का निर्देश राहत आयुक्त की ओर से जारी किया गया है। राहत आयुक्त/अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बुधवार को बताया कि पी.ए.सी. द्वारा निविदा आमंत्रित करते हुए 38 जनपदों के 811 घाटों पर संचालित 4175 पंजीकृत नौकाओं के लिए 66077 लाइफ जैकेट क्रय किया गया है।

भारत और इजरायल के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं: मोदी

एजेंसी

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल की दो दिन की यात्रा पर यहां पहुंचने पर बुधवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अकेले में आमने-सामने की बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने से जुड़े विषयों पर चर्चा की। श्री नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पर श्री मोदी का गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने आमने-सामने की संक्षिप्त मुलाकात की। श्री मोदी ने इस मुलाकात के बाद कहा कि दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रतिभा साझेदारी और अन्य क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग की अपार

संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा,'' प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ उत्कृष्ट बैठक हुई। दिन की शुरुआत में उन्हें गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। नौ वर्षों के बाद इज़रायल लौटना खुशी की बात है। हमने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रतिभा साझेदारी और अन्य क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

उच्चतम न्यायालय का फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर प्रतिबंध लगाने से इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आने वाली फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर बुधवार को प्रतिबंध लगाने या उसके नाम में बदलाव करने के अनुरोध वाली याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया कि यह नाम यादव समुदाय को किसी भी तरह से अपमानजनक तरीके से चित्रित नहीं करता है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने संगठन 'विश्व यादव परिषद' के प्रमुख द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री का अध्ययन किया और पाया कि मुख्य शिकायत यह थी कि फिल्म का नाम समाज में यादव समुदाय को गलत तरीके से दर्शाता है।न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''इसलिए, यह दलील

दी जा रही है कि फिल्म का नाम बदला जाना चाहिए। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि फिल्म का शीर्षक किस प्रकार समुदाय को अपमानजनक रूप में चित्रित कर सकता है। फिल्म के शीर्षक में कहीं भी ऐसा कोई विशेषण या शब्द नहीं है जो यादव समुदाय को गलत तरीके से दर्शाता हो।''

पीठ ने इन आशंकाओं को ''पूरी तरह निराधार'' करार दिया और 'घूसखोर पंडत' से संबंधित ऐसे ही मामले में अपने पूर्व के आदेश की व्याख्या की जिसमें न्यायालय ने निर्माता को उस फिल्म का शीर्षक बदलने का निर्देश दिया था।

आदेश में कहा गया है, '''घूसखोर' शब्द का अर्थ भ्रष्ट होता है। इसलिए यह शीर्षक समुदाय को नकारात्मक अर्थ में दर्शा रहा था। वर्तमान मामले में यादव समुदाय के साथ ऐसा कोई नकारात्मक अर्थ नहीं जुड़ा है। संविधान के अनुच्छेद 19(2) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध) के तहत कोई भी उचित प्रतिबंध लागू नहीं होता है। यह नाम किसी भी तरह से यादव समुदाय को गलत या नकारात्मक रूप में चित्रित नहीं करता है। इसलिए रिट याचिका खारिज की जाती है।''

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि फिल्म का शीर्षक समुदाय के प्रति एक आपत्तिजनक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देता है। याचिका में महिला मुख्य किरदार के चित्रण पर चिंता व्यक्त की गई थी।

ऊंचे पदों पर आसीन सार्वजनिक हस्तियां किसी विशेष समुदाय को निशाना नहीं बना सकतीं : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द के लिए भाईचारे को जरूरी बताते हुए कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे लोग धर्म, भाषा, जाति या क्षेत्र के आधार पर किसी विशेष समुदाय को निशाना नहीं बना सकते। शीर्ष अदालत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सरकारी हो या गैर सरकारी हो, भाषणों, मीम्स, कार्टून या चित्रों के जरिए किसी विशेष समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने यह टिप्पणियां फिल्म ''घूसखोर पंडत'' की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिका पर एक अलग फैसले में कीं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है और याचिका में इसकी रिलीज को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति भुइयां ने 39 पृष्ठों के अपने फैसले में लिखा, ''संवैधानिक रूप से यह अस्वीकार्य है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सरकारी हो या गैर सरकारी हो, भाषण, मीम, कार्टून, दृश्य कला आदि के माध्यम से किसी भी समुदाय को बदनाम करे और उसकी निंदा करे।'' उन्होंने लिखा, ''धर्म, भाषा, जाति या क्षेत्र के आधार पर किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाना संविधान का उल्लंघन होगा, चाहे वह व्यक्ति कोई भी हो।

बिना वैध चुनौती के शासनादेश असंवैधानिक नहीं : हाईकोर्ट

● आश्रित कोटे में शिक्षकों की नियुक्ति का रास्ता साफ

● एकल जज के आदेश पर दो जजों की खंडपीठ ने लगाई रोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सहानुभूति के आधार पर मृतक आश्रित कोटे में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति देने सम्बंधी एकल जज के आदेश पर रोक लगा दी है। यह आदेश जस्टिस एस डी

सिंह एवं जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने अनिरूद्ध यादव द्वारा दाखिल विशेष अपील पर पारित किया है। अपीलार्थी मेरठ जिले का निवासी है। विशेष अपील पर बहस करते हुए अपीलार्थी के अधिवक्ता शिवम यादव एवं हिमांशु बंसल का कहना था कि दिनांक 04 सितम्बर 2000 एवं 15 फरवरी 2013 के शासनादेशों को उनकी वैधता पर स्पष्ट और प्रत्यक्ष चुनौती दिए बिना असंवैधानिक घोषित नहीं किया जा सकता।

खंडपीठ ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए कहा कि किसी भी वैधानिक नियम या शासनादेश को तब तक अल्ट्रा वायर्स (असंवैधानिक) नहीं ठहराया जा सकता जब तक उसकी विधिक वैधता को विधिवत चुनौती न दी गई हो। और इसी आधार पर एकलपीठ के निर्णय के प्रभाव एवं क्रियान्वयन पर रोक लगा दी गई।

इस अंतरिम आदेश के बाद उक्त शासनादेशों के अंतर्गत निर्धारित शैक्षिक अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश में सहानुभूति के आधार पर सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति हेतु विचार किए जाने का मार्ग पुनः प्रशस्त हो जाएगा। यह आदेश प्रदेश के हजारों पात्र अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, जबकि विशेष अपील पर अंतिम सुनवाई अभी शेष है। मालूम हो कि, प्रदेश सरकार ने उक्त शासनादेशों से मृतक आश्रित कोटे में बतौर टीचर नियुक्ति देने का प्रावधान कर रखा है यदि आवेदक योग्यताएं पूरी करता हो।

सरकार स्वदेशी रक्षा उद्योग की क्षमता बढाने के लिए प्रतिबद्ध : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार घरेलू खपत और निर्यात को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी रक्षा उद्योग की क्षमता बढ़ाने को प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को हासिल करने में भारतीय राजनयिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारतीय विदेश सेवा 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने बुधवार को यहां साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी रक्षा उद्योग की क्षमता को घरेलू उत्पादन और निर्यात

दोनों के लिए बढाने के सरकार के संकल्प को दोहराया तथा इसे पूरा करने में भारतीय राजनयिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। रक्षा क्षेत्र में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के समावेशन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत बड़े रक्षा आयातक से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में रक्षा प्लेटफॉर्म का निर्माता और निर्यातक बन चुका है। श्री सिंह ने कहा कि विश्व समुदाय भारत की विकास यात्रा पर करीबी नजर रख रहा है और उसकी नेतृत्वकारी भूमिका की अपेक्षा कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए देश की सकारात्मक छवि को और सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया।

पूर्व अग्निवीरों और पूर्व सैनिकों को रेलवे के लेवल-1 और लेवल -2 के पदों में मिलेगा आरक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे ने सेना के साथ 'सहयोग ढांचे' के अंतर्गत भूतपूर्व सैनिकों और पूर्व अग्निवीरों के लिए लेवल-1 और लेवल-2 तथा उससे उपर के पदों पर भर्ती के लिए आरक्षण के प्रावधान लागू किए हैं। सेना ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक एक पोस्ट में कहा कि सेना और रेलवे ने अग्निवीरों तथा सेवा निवृत सैनिकों को दोबारा रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए एक 'सहयोग ढांचे' पर सहमति व्यक्त की है। चार साल के कार्यकाल के बाद सेना छोड़ने वाले अग्निवीरों तथा सेना से सेवानिवृत होने वाले सैनिकों के लिए यह अच्छी

खबर है। अग्निवीरों के पहले बैच का कार्यकाल इस वर्ष समाप्त होने वाला है और इसे देखते हुए सेना तथा रेलवे की यह पहल उन्हें कुछ राहत देने वाली है। सेना की पोस्ट में लिखा है , '' भारतीय सेना और भारतीय रेल ने अग्निवीरों और सेना कर्मियों के लिए सेवा निवृत्ति के बाद रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'सहयोग ढांचा' शुरू किया है। भारतीय सेना और रेल मंत्रालय के वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में यह पहल नागरिक सेवाओं में सहज बदलाव को सुगम बनाने, रेलवे में उपलब्ध रोजगार अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए एक उत्तरदायी सहायता तंत्र स्थापित करने का प्रयास है। यह ढांचा पूर्व सैनिकों को सार्थक द्वितीय करियर प्रदान करने और राष्ट्रीय विकास में योगदान देने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ''

रेलवे ने भी दोनों संस्थानों की साझा कार्य-संस्कृति को रेखांकित करते हुए कहा, ''भारतीय रेल और सेना के बीच बहुमूल्य कौशल, अनुशासन, प्रौद्योगिकी दक्षता और नेतृत्व गुणों की समानता है।

उप्र को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग एवं ड्रोन हब बनाने की दिशा में जर्मनी में बड़ी पहल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● उपमुख्यमंत्री मौर्य ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं

● रक्षा, दूरसंचार, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर एवं उन्नत विनिर्माण में साझेदारी के नए द्वार खुले

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश के लिए निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार प्रदेश को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग एवं ड्रोन हब बनाने की दिशा में जर्मनी में बड़ी पहल हुई है। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से जर्मनी प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व कर रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री (आईटी) सुनील कुमार के साथ बुधवार को अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उपमुख्यमंत्री मौर्य ने जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी फुजीकुरा लिमटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकी, स्वायत्त प्लेटफॉर्म तथा स्मार्ट अवसंरचना से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में उत्तर प्रदेश में प्रोटोटाइपिंग एवं उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित करने की संभावनाओं, ऑटोमोटिव एवं ई-व्हीकल सेक्टर के लिए स्मार्ट सेंसर एवं इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सहभागिता तथा अनुसंधान एवं नवाचार आधारित सहयोग मॉडल पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि कंपनी ने प्रदेश में अपनी प्रोटोटाइपिंग तथा मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की स्थापना को लेकर गहरी रुचि व्यक्त की, जो उत्तर प्रदेश को उच्च-प्रौद्योगिकी विनिर्माण एवं नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है। उन्होंने बताया कि इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने जर्मनी की अग्रणी ड्रोन निर्माण कंपनी कुअंटम-सिस्टम के साथ बैठक कर तकनीक हस्तांतरण, संभावित निवेश मॉडल तथा उत्तर प्रदेश में उन्नत ड्रोन विनिर्माण एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के अवसरों पर विस्तृत विमर्श किया। बैठक में रक्षा एवं नागरिक उपयोग हेतु अत्याधुनिक यूएवी प्रणाली के विकास, डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग तथा अनुसंधान एवं कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक संवाद हुआ। कंपनी ने अपने एकीकृत मल्टी-डोमेन ड्रोन इकोसिस्टम एवं रक्षा व नागरिक उपयोग के प्रमुख अनुप्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया, जिससे सहयोग की व्यापक संभावनाएं उभरकर सामने आईं। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने टेलीफोनिका ओ2 तथा हेलसोल्डट के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

सौंदर्यीकरण से संवर रहा पुराना रविदास मंदिर

- बदलेगा लखनऊ का धार्मिक नक्शा
- 80.27 लाख रुपए की धनराशि से रविदास मंदिर का हो रहा सौंदर्यीकरण
- समरसता के प्रतीक स्थलों के साथ हर वर्ग के तीर्थ स्थलों का हो रहा पर्यटन विकासः जयवीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के कानपुर रोड स्थित बारा बिरवा का प्रसिद्ध रविदास मंदिर अब भव्य और आधुनिक स्वरूप में नजर आएगा। श्रद्धालुओं की सुविधाओं और बढ़ते पर्यटन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने मंदिर के व्यापक पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण का खाका तैयार किया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 80.27 लाख रुपए व्यय किए जाएंगे, जिनमें से 60 लाख रुपए की प्रथम किस्त जारी कर विकास कार्यों को गति दे दी गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध हो सके। परियोजना अंतर्गत परिसर में अत्याधुनिक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सिविल, प्लंबिंग और फायर सेफ्टी से जुड़े सभी आवश्यक कार्य शामिल होंगे। साथ ही, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डॉरमेट्री सहित सुविधा संपन्न टूरिस्ट रेस्ट रूम का निर्माण भी होगा। यह पहल न केवल श्रद्धालुओं की सुविधाओं को

सुदृढ़ करेगी, बल्कि लखनऊ की धार्मिक पर्यटन छवि को भी नई पहचान देगी।श्श्रद्धालुओं को सुगम और सुव्यवस्थित दर्शन अनुभव प्रदान करने के लिए मंदिर परिसर में अलग-अलग स्थानों पर दिशा सूचक साइन बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि बाहर से आने वाले भक्तों को मंदिर के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचने में असुविधा न हो। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाते हुए 10 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल भी स्थापित किया जाएगा, जिससे बिजली व्यवस्था सुदृढ़ होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच तथा स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु डस्टबिन की समुचित व्यवस्था की जाएगी, जिससे परिसर साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित बना रहे। श्लखनऊ के बारा बिरवा स्थित रविदास मंदिर धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक चेतना और समरसता का भी प्रतीक है। मंदिर के पर्यटन विकास का कार्य प्रगति पर है। इसे आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर आगंतुकों के लिए अधिक सुगम और आकर्षक बनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार संत परंपरा से जुड़े पवित्र स्थलों के संरक्षण और उनके पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विभागीय प्रयास है कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान मिल सके। परियोजना समयबद्ध, सुनियोजित ढंग से पूर्ण की जाएगी।श संत शिरोमणि गुरु रविदास की पावन स्मृतियों से जुड़ा यह मंदिर आज आस्था, समरसता और सामाजिक चेतना का केंद्र बन चुका है। संत रविदास सेवा समिति के सुचारू संचालन में यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है।

भारतीय मजदूर संघ के पूर्व संगठन मंत्री प्रेम सागर मिश्र का निधन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री रहे प्रेम सागर मिश्र का देर रात पीजीआई में निधन हो गया। बुधवार दोपहर उनकी अंतिम यात्रा भैंसाकुंड लखनऊ के लिए निकलेगी जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रेम सागर मिश्र के सामाजिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक आदर्श स्वयंसेवक के रूप में हुई और संघ के कार्य की दृष्टि से अलीगढ़ जनपद के प्रचारक के रूप में कार्य किया। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से एमएससी कृषि से पढ़ाई करने के बाद नौकरी नहीं बल्कि बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य को प्राथमिकता दी। प्रेम सागर भारतीय मजदूर संघ में बड़े भाई कहे जाने वाले राम नरेश सिंह के संपर्क में और भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगडी के मार्गदर्शन में भारतीय

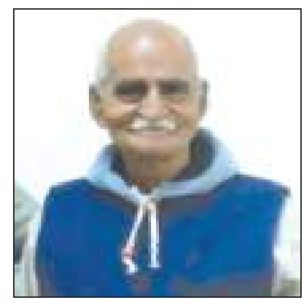

मजदूर संघ के कार्य को उत्तर प्रदेश में विस्तार देने में जुट गए। भारतीय मजदूर संघ को अपना कार्य क्षेत्र बनाया। वे भारतीय मजदूर संघ के उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री, अखिल भारतीय कृषि ग्रामीण के दस साल तक अध्यक्ष समेत कई प्रमख दायित्यों का निर्वहन किया। विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को संगठित करने एवं उनके अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और आंदोलन तक करना पड़ा। वे इस क्षेत्र के लोगों में खासे लोकप्रिय थे और संगठन के कैसरबाग कार्यालय में मिलने वालों की भीड़ लगी रहती थी। परिजनों ने बताया कि प्रेम सागर को उपचार के लिए संजय गांधी पीजीआई लखनऊ में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था, चिकित्सकों के भरसक प्रयास के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और उन्होंने 24 फरवरी की रात अंतिम सांस ली। बेटे अरुण मिश्र ने बताया कि प्रेम सागर का शव अंतिम दर्शन के लिए ग्राम माधव खेडा, मोहनलाल गंज लखनऊ में रखा गया है। दोपहर को उनकी अंतिम यात्रा भैंसाकुंड लखनऊ के लिए निकलेगी जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। संघ के पूर्व प्रचारक और भारतीय मजदूर संघ के कार्य को ही अपना ध्येय मानने वाले प्रेम सागर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

बाप की हत्या का आरोपी बोला, सॉरी गलती हो गई

- पैथोलॉजी मालिक का पन्नी में बंधी बॉडी का अंतिम संस्कार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में पैथोलॉजी मालिक मानवेंद्र सिंह का हत्या के 6वें दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। बुधवार की सुबह भैंसाकुंड घाट बैकुंठ धाम पर उन्हें छोटे भाई दरोगा अरविंद सिंह के बेटे कृत्य सिंह ने मुखाग्नि दी। पीएम हाउस से पन्नी में बंधी डेडबॉडी आई, उसका उसी तरह अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक के पिता सुरेंद्र पाल सिंह चलने-फिरने में असमर्थ हैं जिस वजह से श्मशान घाट नहीं गए। अंतिम संस्कार के दौरान मृतक मानवेंद्र की डेडबॉडी से कवर नहीं हटाया गया। ऊपर से ही शव को नहलाया गया, रिश्तेदारों ने लकड़ियां रखीं। उसके बाद भतीजे कृत्य ने अग्नि लेकर चिता के चारों तरफ घूमते ही दाह संस्कार कर दिया। इस दौरान मृतक मानवेंद्र के भाई अरविंद सिंह बहुत रो रहे थे। मानवेंद्र की हत्या उनके ही 21 साल के बेटे अक्षत ने 20 फरवरी को सुबह 4.30 बजे की थी। आशियाना थाने में पुलिस ने आज अक्षत को मीडिया के सामने किया। इसके साथ ही हत्या में इस्तेमाल की गई राइफल, तारपीन तेल, आरी जैसी चीजें भी दिखाईं। इसके बाद उसे मेडिकल के लिए अस्पताल ले जाने तो वह मीडिया से घिर गया। बार-बार पूछे जाने पर उसने धीरे से कहा सॉरी मुझसे गलती हो गई। टीएस मिश्रा यूनिवर्सिटी ने एक नोट जारी कर इस मामले में कुछ भी बोलने से इन्कार किया है। अक्षत इसी यूनिवर्सिटी से बीबीए कर रहा था।

शादी-ब्याह और आयोजनों में तेज ध्वनि पर खैर नहीं, शोर की सीमा लांघी तो होगी कार्रवाई

- मनमानी पड़ेगी भारी, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शादी-ब्याह, बारात और अन्य सामाजिक आयोजनों में अब मनमानी नहीं चलेगी। तेज डीजे की गूंज महंगी पड़ सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने साफ संकेत दे दिया है कि शोर बढ़ेगा तो कार्रवाई का जोर भी बढ़ेगा। ध्वनि प्रदूषण को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए शासन ने कड़े निर्देश जारी किए हैं और सभी जिलों में सख्ती के आदेश दिए हैं।

नेचर ग्रीन फ्यूचर ट्रस्ट के अध्यक्ष पर्यावरणविद् सुंदरम तिवारी की पहल के बाद प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) एवं विभागाध्यक्ष उत्तर प्रदेश ने सभी जिलों के अधिकारियों को तत्काल

और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। आदेश के तहत जोनल, मंडलीय, क्षेत्रीय और प्रभागीय स्तर पर निगरानी बढ़ाने तथा शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं। रात 10 के बाद नहीं बजेगा डीजे शासन का स्पष्ट निर्देश है कि रात्रि 10 बजे के बाद डीजे और लाउडस्पीकर का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। नियम तोड़ने पर आयोजकों, संचालकों और जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल पहले ही ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के सख्त पालन के निर्देश दे चुका है। बावजूद इसके कई स्थानों पर देर रात तक तेज ध्वनि की शिकायतें मिलती रही हैं। अब शासन ने साफ कर दिया है कि मनमानी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

समय से निपटाएं कार्यक्रम,कार्रवाई से बचें

इस सख्ती का सीधा असर शादी और अन्य आयोजनों की समय-सीमा पर पड़ेगा। देर रात तक चलने वाली बारातें और हाई-वॉल्यूम डीजे पर रोक लगेगी। आयोजकों को कार्यक्रम समय पर समाप्त करने होंगे और ध्वनि स्तर निर्धारित सीमा में रखना होगा। नियमों की अनदेखी पर जुर्माना, साउंड सिस्टम जब्ती या अन्य कानूनी कार्रवाई संभव है।

जनस्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा

विशेषज्ञों का मानना है कि तेज ध्वनि से अनिद्रा, तनाव, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का खतरा बढ़ता है। छात्र, बुजुर्ग और मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। वहीं पक्षियों और वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है।

अब शोर की सीमा लांघी तो कार्रवाई तय

सुंदरम तिवारी ने इसे जनहित में आवश्यक कदम बताते हुए कहा कि समाज के स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में यह निर्णय अहम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेशभर में आदेश का सख्ती से पालन होगा। स्पष्ट है कि अब शोर की सीमा लांघी तो कार्रवाई तय है।

प्रभु बुद्धि दे! छापा डलवाने वाला संवेदनहीन

लखनऊ। लखनऊ में बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर आयकर विभाग ने बड़ी छापेमारी की, जिससे राजनीति में हलचल मच गई है। इस छापे के बाद यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जताई और आयकर विभाग की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, जिसने भी छापा डलवाया, वह संवेदनहीन है। प्रभु बुद्धि दे। मंत्री ने यह भी कहा कि कैंसर से पीड़ित उमाशंकर सिंह को भी आयकर विभाग ने नहीं छोड़ा, जो उनकी स्थिति को देखकर शर्मनाक है। उमाशंकर सिंह, जो कैंसर से पीड़ित हैं और दो ऑपरेशन करा चुके हैं, लखनऊ में अपने घर पर आइसोलेशन में रहते हैं। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा, उमाशंकर मेरे समधी हैं, और उन्हें इलाज के दौरान भी छापे का सामना करना पड़ा। डॉक्टर और नर्सों को उनके घर में आने-जाने से रोका गया, जो निंदनीय है। आयकर विभाग की इस छापेमारी को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है, और विपक्ष ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं।

शंकराचार्य पर एफआईआर मामले में कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट घेरा

लखनऊ। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थन में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कंाग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट घेर लिया। शंकराचार्य पर अत्याचार बंद करो के नारे लगाए। सरकार पर शंकराचार्य, साधु-संत और हिंदू धर्म की छवि खराब करने का आरोप लगाया। कंाग्रेसियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमित सिंह ने कंाग्रेसियों का ज्ञापन लिया। उसमें कंाग्रेस ने भाजपा सरकार पर शंकराचार्य और साधु-संतों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि शंकराचार्य और उनके शिष्यों के साथ दुर्व्यवहार और एफआईआर दर्ज किए जाने की कार्रवाई धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है।

सीएम पर हमले का मॉकड्रिल, युवक ने गोली चलाई एनएसजी ने ३ मिनट में रेस्क्यू कर पहुंचाया एयरपोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी पर हमला और इमरजेंसी में बचाने का मॉकड्रिल हुआ। सीएम एक कार्यक्रम में गए थे। तभी उन पर हमला हो गया। भीड़ में बैठे युवक ने फायर झोंक दिया। पलक झपकते ही सीएम की सुरक्षा में तैनात कमांडो ने तुरंत उन्हें कवर कर लिया। उन्हें 3 मिनट में बचा लिया गया। यह सीन राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी) में दिखा। इस वक्त सीएम योगी आदित्यनाथ विदेश दौरे पर हैं। वह सिंगापुर के बाद जापान में हैं। बुधवार को उनकी सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए मॉकड्रिल की गई। मॉकड्रिल में सीएम कालिदास मार्ग स्थित आवास से निजी कार्यक्रम में

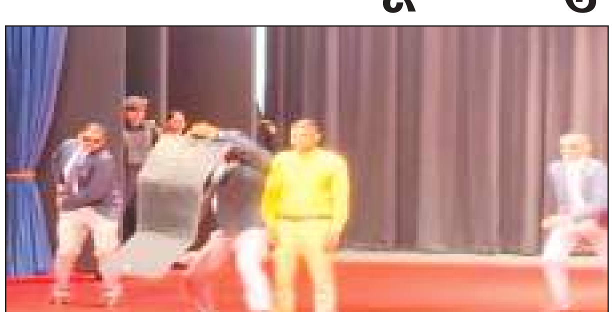

शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान कार्यक्रम स्थल पर भाषण के दौरान हमले की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। मॉकड्रिल में एक युवक द्वारा फायरिंग किए जाने का सीन बनाया गया। जिसमें मुख्यमंत्री को गोली होने की स्थिति दर्शाई गई। जैसे ही फायरिंग का अलर्ट मिला, एनएसजी कमांडो ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए मुख्यमंत्री को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा कर्मियों ने घायल अवस्था में मुख्यमंत्री को इलाज के लिए ले जाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। अधिकारियों के मुताबिक, यह पूरी प्रक्रिया वीआईपी सुरक्षा प्रोटोकॉल और आपात प्रतिक्रिया समय को परखने के उद्देश्य से की गई। गोली चलने के बाद तुरंत लोहिया अस्पताल को अलर्ट भेजा गया। इस दौरान सभी पुलिसकर्मी और अस्पताल प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। वहां आए मरीजों को तुरंत एक तरफ रोक दिया गया और काफिले को अंदर जाने का रास्ता तैयार किया गया। हालांकि, हालत गंभीर देखते हुए एयरपोर्ट से दिल्ली भेज दिया गया। सीएम की हालत नाजुक हो रही थी। जिसके बाद उन्हें दिल्ली के लिए ले जाया गया। उनको ले जा रही गाड़ियों को अमौसी एयरपोर्ट की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। वहां से उन्हें दिल्ली एम्स के लिए ले जाने की मॉकड्रिल की गई।

सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन आज

लखनऊ । श्री सदगुरु कबीर साहेब वेद वेदांग गुरुकुलम तत्वाधान में कल 26 फरवरी को श्री सद्गुरू कबीर जागू आश्रम, दसौली बसहा, निकट इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, कुर्सी रोड पर 51 बटुकों को द्वितीय सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की जानकारी देते हुये आयोजक ऋषि त्रिवेदी ने बताया कि इस समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, विधान परिषद सदस्य सीतापुर श्री पवन सिंह चौहान, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद , विधान परिषद सदस्य लखनऊ प्रधान रामचंद्र जी सहित कई प्रमुख समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। गुरूकुलम के प्रबन्धक प्रधानाचार्य शिवपूजन दीक्षित ने बताया कि इस समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है, और यज्ञोपवीत संस्कार कराने वाले बटुकों का अपने परिवारीजनों के साथ देर शाम से पहुंचना शुरू हो गया।

लखनऊ में अभिनव भारत पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन 26 को, तैयारियां पूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। क्रांतिकारी वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि के अवसर पर कल 26 फरवरी को प्लूटो हॉल, इन्दिरागांधी प्रतिष्ठान में होने जा रहे अभिनव भारत पार्टी के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। अधिवेशन में शामिल होने के लिये मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रहे कम्प्यूटर बाबा, साधू-संतों सहित देश के विभिन्न राज्यों से कार्यकर्ताओं का देर रात तक पहुंचना जारी रहा। पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष की अधिकारिक घोषणा के साथ उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव और भावी रणनीति को लेकर चर्चा की जायेगी। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव ममता झा ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में अधिवेशन की जानकारी देते हुये बताया अधिवेशन की तैयारियां पूरे उत्साह और व्यापक स्तर पर पूरी कर ली गयी हैं। देश के विभिन्न राज्यों से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा अनेक प्रमुख संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति की संभावना है। ममता झा ने कहा कि वीर सावरकर के विचारों ल्लराजनीति का हिन्दूकरण और हिन्दुओं का सैनिकीकरणल्ल की वैचारिक पृष्ठभूमि पर गठित अभिनव भारत पार्टी स्वयं को चिंतन, आंदोलन और क्रांति की धारा से प्रेरित राजनीतिक संगठन मानती है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन शर्मा के नेतृत्व में पार्टी राष्ट्रवाद और सावरकर के विचारों को आधार बनाकर भारतीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही है। अधिवेशन में संगठन विस्तार, राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रस्ताव तथा आगामी रणनीतियों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है।

लाल बारादरी का फेंसिंग वर्क ठप विश्वविद्यालय में भारी पुलिस बल तैनात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में 3 दिन तक चले बवाल और घमासान के बाद आज बुधवार को माहौल शांत दिखा। हालांकि, ऐहतियात के तौर पर मौके पर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती रही। लाल बारादरी परिसर में बैरिकेडिंग लगाकर सभी की एंट्री भी बैन रही। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य भी हालात का जायजा लेते नजर आए। दूसरी तरफ, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से बावल में शामिल छात्रों के खिलाफ जांच भी शुरू करने की बात कही गई। रविवार दोपहर से ही लाल बारादरी को लेकर कैंपस का माहौल बिगड़ नजर आया। इस बीच सोमवार और मंगलवार को कैंपस में विरोध और प्रदर्शन चरम पर रहा। कई छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया जिन्हें बाद में छोड़ा गया। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से साथ छात्रों को नोटिस जारी की गई। 6 पूर्व छात्रों को कैंपस में एंट्री बैन की गई है। वह लखनऊ पुलिस की तरफ से रविवार को फेंसिंग के विरोध में प्रदर्शन करने वाले 13 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गईं। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि कैंपस का माहौल बिगड़ता वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कैंपस में निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। जो पढ़ने वाले स्टूडेंट हैं उनके लिए कैंपस में मुफीद माहौल तैयार किया जाएगा। बवाल करने वाले स्टूडेंट्स को चिह्नित किया जा रहा है और उन सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई होगी।

बहुजन समाज पार्टी का 'ब्राह्मण कार्ड' 2027 के लिए तैयार

- 403 में से आधी सीटों पर सवर्ण चेहरों को उतारने की रणनीति, माधौगढ़ से आशीष पांडेय पहले घोषित प्रत्याशी
- 2027 विधानसभा चुनाव में 40-50% सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने की तैयारी
- जालौन की माधौगढ़ सीट से आशीष पांडेय को बनाया गया प्रभारी
- होली के बाद कानपुर मंडल की 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा संभव
- ब्राह्मण-मुस्लिम-दलित सामाजिक समीकरण पर फोकस
- संगठन में फ़ेरबदल, नौशाद अली को चार मंडलों की जिम्मेदारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक समीकरणों की नई बिसात बिछनी शुरू हो गई है। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने बड़ा दांव खेलते हुए प्रदेश की लगभग 50 प्रतिशत सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने की रणनीति पर काम तेज कर दिया है। पार्टी प्रमुख मायावती के निर्देशन में संगठन स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

सबसे पहले जालौन जिले की माधौगढ़ विधानसभा सीट से आशीष पांडेय को प्रभारी घोषित कर पार्टी ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। बसपा की परंपरा के अनुसार, जिसे विधानसभा प्रभारी बनाया जाता है, वही आगे चलकर प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

कानपुर मंडल से शुरुआत, 10 सीटों पर जल्द ऐलान

कानपुर मंडल की 27 विधानसभा सीटों में फिलहाल बसपा का एक भी विधायक नहीं है। ऐसे में पार्टी यहां नए सिरे से सामाजिक समीकरण साधने में जुटी है। सूत्रों के अनुसार, होली के तुरंत बाद मंडल की करीब 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा की जा सकती है। प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में फिलहाल बसपा का सिर्फ एक विधायक-बलिया की रसड़ा सीट से-है। इस कमजोर स्थिति को बदलने के लिए पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है।

ब्राह्मण-मुस्लिम-दलित गठजोड़ पर फोकस

यूजीसी प्रकरण के बाद प्रदेश में सवर्ण राजनीति को लेकर बढ़ी हलचल के बीच बसपा ने ब्राह्मण समाज को सीधे चुनावी मैदान में उतारने का फैसला किया है। वहीं मुस्लिम समाज को संगठन के जरिए जोड़ने और दलित कैडर वोट को साथ लेकर चलने की रणनीति बनाई गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रत्येक विधानसभा सीट पर चार-चार संभावित दावेदारों का पैनल तैयार किया जा रहा है। उनकी सामाजिक पकड़, संगठन क्षमता और जनस्वीकार्यता के आधार पर एक नाम तय किया जाएगा। इसके बाद उसी क्षेत्र में बड़ा सम्मेलन कर औपचारिक घोषणा की जाएगी।

संगठन में फ़ेरबदल, चार मंडलों की कमान नौशाद अली को

आगामी चुनाव को देखते हुए बसपा ने संगठनात्मक ढांचे में भी बदलाव किया है। वरिष्ठ नेता नौशाद अली को कानपुर, आगरा, मेरठ और लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंगलवार को लखनऊ में उनकी मायावती से लंबी बैठक हुई, जिसमें चुनावी रणनीति और प्रभारियों की नियुक्ति पर चर्चा हुई। पार्टी का दावा है कि सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर बूथ स्तर तक मजबूती लाई जाएगी।

सवर्णों को स्पष्ट संदेश

बसपा प्रमुख मायावती ने यूजीसी मुद्दे के बाद जिस तरह सवर्ण समाज को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था, अब वह जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। कानपुर मंडल की अधिकांश सामान्य सीटों पर ब्राह्मण और अन्य सवर्ण चेहरों को उतारने की तैयारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बसपा का यह 'सोशल इंजीनियरिंग' मॉडल 2007 की तर्ज पर दोबारा सत्ता की राह तलाशने की कोशिश है।

2027 की सियासी जंग का बिगुल

प्रदेश में अभी चुनाव में समय है, लेकिन बसपा ने प्रत्याशियों की समय से पहले घोषणा कर विपक्षी दलों को रणनीतिक चुनौती दे दी है। अब देखना यह होगा कि ब्राह्मण, मुस्लिम और दलित समीकरण का यह प्रयोग 2027 में बसपा को कितना लाभ पहुंचाता है। उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर 'सामाजिक गणित' निर्णायक भूमिका निभाने की ओर बढ़ रहा है।

नगर को विकास की बड़ी सौगातः विधायक और एमएलसी ने 336 करोड़ की योजनाओं को दिखाई हरी झंडी

विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते विधायक एमएलसी व उपस्थित अन्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। नगर क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए बुधवार को क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा व एमएलसी अशोक अग्रवाल व नगर पंचायत अध्यक्ष राधारमण शुक्ला पंकज ने नगर पंचायत की लगभग 3स36 लाख रु० की विकास योजनाओं को हरी झंडी प्रदान की! जिनका लोकार्पण व शिलान्यास विधायक एमएलसी व नगर पंचायत अध्यक्ष ने बटन दबाकर किया। स्वीकृत योजनाओं में सड़क निर्माण मरम्मत कार्य नाली निर्माण जल

■ दो वाटर कूलर जनता को समर्पित

निकासी सौंदर्यीकरण पेय जल सामुदायिक भवन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं! कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित विधायक रामपाल वर्मा ने कहा इन योजनाओं के क्रियान्वयन से नगर की तस्वीर बदलेगी और नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा!

एमएलसी अशोक अग्रवाल ने कहा कि नगर के विकास के लिए यह ऐतिहासिक बजट है इसके कार्य पूर्ण होने से आमजन को राहत मिलेगी! कार्यक्रम के अंत में नगर पंचायत अध्यक्ष राधारमन शुक्ला ने कहा सारे विकास कार्य अपनी तय समय सीमा में पूरे किए जाएंगे तथा गुणवत्ता में किसी प्रकार का कोई

समझौता नहीं होगा इसके लिए समय-समय पर कार्यों की मॉनीटरिंग भी की जाएगी! नगर वासियों ने विकास योजनाओं की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि सभी विकास योजनाएं धरातल पर जल्द उतरेगी और नगर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा! कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित संदीप सिंह जिला मंत्री अजय शुक्ला व्यापार मंडल अध्यक्ष रवि गुप्ता अधिशासी अधिकारी देवांशी दीक्षित लिपिक जयबहादुर सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष ब्रम्ह कुमार सिंह नवीन पटेल अजय बाजपेई अरुण वर्मा सहित क्रांतिवीर सिंह हर्ष द्विवेदी भैया लाल द्विवेदी प्रमोद सिंह सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे!

जनपद में हुआ संवाद सेतु का भव्य शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वामी विवेकानन्द सभागार मे जनपद में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच समन्वय व संवाद को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से संवाद सेतु (जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर) व्यवस्था का समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस पायलट प्रोजेक्ट का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनुनय झा, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, जनप्रतिनिधियों व पत्रकार बन्धुओं की उपस्थिति में संपन्न किया गया। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि इस पायलट प्रोजेक्ट का आगाज़ हरदोई, गाजियाबाद और कन्नौज के साथ प्रदेश के पहले चरण में शामिल किया गया है। मंत्री ने इस प्रोजेक्ट के बारे मे विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ होने वाले संवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जायेगी। इस नई व्यवस्था के तहत अब हरदोई में एक प्रभावी कमांड सेंटर सक्रियता से कार्य करेगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि यदि किसी अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि की कॉल 10 मिनट के भीतर रिसीव नहीं की जाती है, तो उसे अनिवार्य रूप से कॉल बैक किया जाए। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सरकारी कार्य दिवसों और कार्यालय समय में सीयूजी नम्बर पर पूरी पारदर्शिता के साथ लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन और त्वरित संवाद करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने वालों की कार्यवाही की जाएगी। डीएम अनुनय झा ने विश्वास जताया कि इस पहल से जिले में विकास कार्यों की गति तेज होगी और प्रशासन की जवाबदेही जनता के प्रति और अधिक सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने भी इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, ई0 डिस्ट्रिक मैनेजर देवेश सिंह, जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम तथा सभी जन प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

अग्निपीड़ितों की मदद को विधायक ने बढ़ाये हांथ

अग्नि पीड़ितों के घर पहुंचे विधायक रामपाल वर्मा व अन्य फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत हथौड़ा के ग्राम पहावां में अचानक लगी आग से दो परिवारों की गृहस्थी जलकर खाक हो गयी थी। इस हादसे की जानकारी मिलने पर मदद को पहुंचे बालामऊ विधायक रामपाल वर्मा ने पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की है।

पहावां निवासी रामनिवास व राममूर्ति के घरों में अज्ञात कारणों से बीते दिनों आग लग गयी थी । इस दौरान आग ने दोनों किसानों के घर मे रखा राशन, नकदी समेत बच्चों के कपड़े भी जलकर खाक हो गए थे। हादसे की जानकारी मिलने पर गांव पहुँचे बालामऊ विधायक रामपाल वर्मा ने पीड़ित परिजनों को जरूरी राहत सामग्री वितरित की है तथा आवास शौचालय जैसी मूलभूत सहायता से साथ आँकलन कर आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया! इस दौरान पीड़ित परिजनों को नए वस्त्र भी वितरित किये गए तथा हर संभव मदद का आश्वासन दिया!

किसान यूनियन ने समीक्षा बैठक कर बनाई रणनीति

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। किसानों के विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक ने विकासखंड परिसर के पास बुधवार को महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया जिसमे सैकड़ो की संख्या में किसानों और महिलाओं ने भाग लिया! बैठक की अध्यक्षता किसान यूनियन के प्रदेश प्रभारी उमेश शुक्ला ने की!

इस दौरान बिजली बिलों में वृद्धि गन्ना भुगतान में देरी खाद बीज की अनुपलब्धता सिंचाई व्यवस्था व आवारा पशुओं की समस्या फसल बीमा क्लेम जैसे जवलन्त मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ! पदाधिकारीयों ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा समय से समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन होगा! बैठक में आगामी धरना प्रदर्शन तहसील मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपने और गांव.गांव जागरूकता अभियान चलाने की रणनीति बनाई गई साथ हीं ब्लॉक स्तर पर किसान चौपाल आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया जिसमें किसानों की समस्याओं को सीधे सुना जा सके! प्रदेश प्रभारी उमेश शुक्ला ने कहा कि किसानों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संगठन पूरी मजबूती के साथ किसानों की आवाज उठाता रहेगा! पदाधिकारीयों ने आपस में एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया!

मूवी में यादव समाज को आपत्तिजनक एवं गलत तरीके से किया गया प्रस्तुत, यादवो में भारी रोष

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के जिला अध्यक्ष हरिनाम सिंह यादव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, सूचना प्रसार मंत्री भारत सरकार को जिलाधिकारी हरदोई द्वारा ज्ञापन दिया गया इसमें हरिनाम सिंग यादव ने शिकायत प् की है कि यादव जी की लव स्टोरी नामक फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली है फिल्म के प्रसार प्रचार पोस्टर ट्रेलर एवं सोशल मीडिया सामग्री से प्रतीत होता है कि इसमें यादव समाज को आपत्तिजनक एवं गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है इस प्रकार की प्रस्तुति से समाज की भावनाएं आहत हो रही है तथा विभिन्न क्षेत्रों में रोज एवं असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो रही है यदि इस फिल्म का प्रदर्शन बिना जांच किया किया जाता है तो इससे समाज में तनाव बढ़ सकता है विभिन्न समुदाय के बीच शांति भंग हो सकती है कानून वी एवं व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है सार्वजनिक अशांति फैलने की संभावना है अत: आपसे निवेदन है कि इस मामले की प्राथमिकता दर्ज कर उचित जांच की जाए तथा जांच पूर्ण होने तक फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने हेतु आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए मैं आवश्यक सच पोस्टर सोशल मीडिया एवं लिक संबंधित सामग्री उपलब्ध कराने के लिए तैयार हूं कृपया इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की कृपा करें

ज्ञापन में मुख्य रूप से रजनीश यादव सुरेंद्र यादव यतेंद्र यादव शैलेंद्र यादव सौरभ यादव लालू यादव अभिषेक यादव सुरजीत यादव पंकज यादव जोगेंद्र यादव शेख बहादुर यादव पुष्पेंद्र यादव रंजीत यादव अब सिंह यादव शिवम यादव सर्वेश यादव धनपाल यादव संजीव यादव विमल यादव कपिल यादव अनुज यादव रवि यादव संदीप यादव प्रशांत यादव सौरभ यादव आशीष यादव पीयूष यादव गोलू यादव मिथिलेश यादव शिवम यादव सौरभ आदि सैकड़ो की संख्या में यादव समाज के लोग उपस्थित रहे।

घर में घुस कर पीटने के आरोप में पुलिस ने दो पर प्राथमिकी दर्ज की

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। धर्मपुर मडैया गांव में एक विवाहिता और उसकी मां को घर में घुसकर पीटने के आरोप में पुलिस ने दो पर प्राथमिकी दर्ज की हैं। पीड़िता रुची ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि फर्रुखाबाद जनपद के ढियूरिया गांव निवासी उसका पति आशीष और ससुर ऋषि पाल घर आए और गाली.गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने रुची और उसकी मां रामरती को लात-घूसों व डंडों से जमकर पीटाए जिससे दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। जाते वक्त आरोपी जान से मारने की धमकी भी दे गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति और ससुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार लोगो पर मारपीट करने का लगाया आरोप

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तीन दिन पूर्व हुए विवाद को लेकर कस्बे के अन्नपूर्णा ढाबे पर खाना खा रहे जोधनपुरवा निवासी शिवम तिवारी चार लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया हैं। शिवम थाने में दी गई तहरीर में बताया हैं कि कस्बा निवासी अनिरुद्ध और अनुराग सहित चार लोगों तीन दिन पूर्व हुए विवाद को लेकर गाली.गलौज करने लगे।विरोध करने पर उसको को लाठी.डंडों से पीटकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर जांच में जुटी हुई है।

जिलाधिकारी ने जन सनुवाई मे सुनी 32 शिकायतें

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 32 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

महिला कोटेदार ने धन उगाही और छेड़छाड़ का आरोप लगाया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला कोटेदार ने दो किसान नेताओं पर धन उगाही और छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पीड़िता के अनुसार 24 फरवरी को वह आवश्यक कार्य से तहसील शाहाबाद आई थी। आगापुर निवासी सत्यवीर और कठमा निवासी गोलू ने तहसील में रोककर उससे धन उगाही की मांग की। मना करने पर विपक्षियों ने उसे पकड़ लिया और अश्लील हरकतें करने लगे। शोर मचाने पर तहसील में मौजूद लोगों ने उसे छुड़वाया। पीड़िता की लिखित तहरीर पर पुलिस ने जांच पडताल कर रही है।

दो पक्षों में जमकर संघर्ष हुआ, आधा दर्जन घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला निहाल गंज में 23 फरवरी की रात दो पड़ोसियों में किसी बात को लेकर जमकर मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस के समझाने पर रात भर शांत रहने के बाद 24 फरवरी को सुबह 7 बजे फिर दोनों पक्षों में ईंट पत्थर और डंडे चले। इस मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। संघर्ष का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ । एक पक्ष की किशोरी ईट लगने से गंभीर घायल हो गई। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाया है। दूसरे पक्ष के राजीव पुत्र रामलाल के अनुसार वह 23 फरवरी की रात करीब नौ बजे वह अपने दरवाजे पर था तभी पड़ोस के आशीष पुत्र रामकुमार ने पवन पुत्र विपिन, लाला, रोहित पुत्रगण रामलाल ने आकर गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट की जिसमें उसके भाई पप्पू का सिर फट गया। राजीव के भाई संजीव ने बताया 24 फरवरी की सुबह विपक्षियों ने उसके घर पर ईंट पत्थर चलाए जिसमे ईट लगने से उसकी 14 वर्षीय पुत्री प्रियांशी गंभीर रूप से घायल हुई है जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दूसरे पक्ष की संगीता पत्नी आशीष मिश्रा के अनुसार उसके पड़ोसी संजीव, पप्पू, मुन्ना और अंकित पुत्रगण रामलाल आदि उसके दरवाजे पर आए और गाली गलौज कर उसेएउसके पति को काफी मारा पीटा उन्हें बचाने आए रिश्तेदार रामलाल और उनके पुत्र विपिन को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाया है।

तनाव और काम के प्रेशर में ईओ कार्यालय में बेहोश हुए, हायर सेंटर रेफर

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी राजनैतिक दवाब और काम के बढ़ते बोझ के कारण बुधवार को दोपहर बारह बजे अपने कार्यालय में बेहोश हो गए। जिससे वहां अपना तफरी मच गई। आनन-फानन में उन्हें सीएचसी ले जाया गया। डाक्टरों ने इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया है। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी द्वारा आउटसोर्सिंग ठेके की सभी फर्मों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया था। जिससे आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन रुक गया वेतन न मिलने से नाराज होकर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ कर दी जिससे अधिशासी अधिकारी की काफी किरकिरी हुई। नगर में गंदगी का साम्राज्य फैल गया 8 दिन बाद गुरुवार को 2 महीने का वेतन देने का आश्वासन देने के बाद हड़ताल समाप्त हुई थी। शनिवार को कर्मियों और नगर पालिका प्रशासन के मध्य हुई वार्ता में ई ओ ने गुरुवार को हर हाल में दो माह का वेतन देने का लिखित समझौता कर हड़ताल को समाप्त करवाया था। सोमवार को नगर पालिका की आउटसोर्सिंग ठेकेदारों को हाई कोर्ट ने यथास्थित बनाये रखने के आदेश दिए । और 15 दिन के अंदर अधिशासी अधिकारी को अपना जवाब दाखिल करने का हाईकोर्ट ने निर्देश दिया। पालिका के आउटसोर्सिंग कर्मियों को वेतन दिए जाने को लेकर पालिका ईओ पर काफ़ी प्रेशर था। वह बुधवार को अपने कार्यालय में कार्य देख रहे थे दोपहर बारह बजे उन्हें अचानक बेहोशी आ गयी। नगर पालिका के कर्मियों द्वारा उन्हें तुरंत सीएचसी ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर हरदोई रेफर किया गया।

शटर की साइड तोड़कर नकदी व शराब ले गये चोर

भरावन (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना अतरौली चौराहे पर मंगलवार की रात अंग्रेजी शराब की दुकान के शटर साइड तोड़कर चोरो ने एक लाख आठ हजार नकदी व 50 हजार की शराब चोरी कर ले गये।पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। सेल्समैन आशु शर्मा पुत्र चन्द्रप्रकाश शुक्ला निवासी

बागरमऊ जिला उन्नाव ने बताया कि वह अतरौली कस्बा में कमरा किराये पर लेकर रहता है। मंगलवार की रात शराब की दुकान बन्द करके गया था।बुधवार की सुबह देखा कि शराब की दुकान के शटर की साइड टूटी पड़ी और शटर खुला पड़ा था।दुकान के अन्दर रखे 24 फरवरी की बिक्री एक लाख आठ हजार रूपया नकद व 50 हजार की शराब को चोर उठा ले गये।पुलिस ने सुबह जांच पड़ताल की तो एक शराब के गत्ता से 57 हजार रूपया नकद बरामद हुए उसपर सेल्समैन ने कहा कि 23 फरवरी की बिक्री का रूपया रखा था।दुकान की गोलक व जाली में कही ताला नही पड़े थे। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश चन्द्र ने बताया कि अंग्रेजी शराब से चोरी की सूचना मिली है जांच की जा रही है। अभी तक कोई तहरीर नही मिली है।

सियासी गलियारों में निष्ठा की गूंजः 'अग्रवाल परिवार ही मेरा भाग्य विधाता, अब चुनाव नहीं लड़ेगा मेरा परिवार'

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। राजनीति के बदलते दौर में जहाँ अवसरवादिता हावी है, वहीं हरियावाँ के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रेम सिंह ने एक ऐसा बयान जारी किया है जो सत्ता के गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। यह बयान केवल एक राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि ढाई दशकों के विश्वास और अटूट वफादारी की एक भावुक दास्तां है।

'कृतज्ञता की स्याही से लिखी वफादारी की पाती' पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रेम सिंह ने मीडिया को जारी एक बेहद भावुक पत्र में स्पष्ट किया कि उनके और उनके परिवार के वजूद में अगर राजनीति की कोई सांस है, तो वह केवल नरेश अग्रवाल और आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल की देन है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा: पिछले ढाई दशकों से नरेश अग्रवाल ने एक अभिभावक की तरह मुझ पर अपना हाथ रखा। उन्होंने मुझ पर और मेरे परिवार पर जो भरोसा जताया, उसी का परिणाम था कि हम हरियावाँ की सेवा कर सके। हमारे लिए राजनीति पद की लालसा नहीं, बल्कि अग्रवाल परिवार के प्रति समर्पण का दूसरा नाम है। साजिशों पर करारा प्रहार। प्रेम सिंह ने उन चर्चाओं पर भी विराम लगा दिया जो उन्हें उनके 'सियासी गुरु' से अलग करने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने भरे मन से कहा कि कुछ लोग सुनियोजित ढंग से भ्रम फैला रहे हैं, लेकिन उनकी निष्ठा की दीवार इतनी कच्ची नहीं कि किसी अफवाह से ढह जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे और उनका परिवार कल भी अग्रवाल परिवार के साथ था, आज भी है और आखिरी सांस तक रहेगा। त्याग का ऐलान: 'अब नहीं लड़ेंगे चुनाव' इस बयान का सबसे मार्मिक हिस्सा वह रहा जहाँ उन्होंने भविष्य के लिए चुनावी राजनीति से कदम पीछे खींचने की बात कही। प्रेम सिंह ने भावुक होकर कहा: निर्णय सर्वोपरि: भविष्य में मेरे परिवार का कोई भी सदस्य ब्लॉक प्रमुख का चुनाव नहीं लड़ेगा। समर्पण: चुनाव लड़ना या न लड़ना, यह मेरा व्यक्तिगत फैसला नहीं होगा। इस पर अंतिम निर्णय केवल नरेश अग्रवाल और नितिन अग्रवाल ही लेंगे। आदेश का पालन: हम पहले भी उनके आदेश पर मैदान में उतरे थे, और भविष्य में भी उन्हीं के पदचिन्हों पर चलेंगे। प्रेम सिंह का यह कदम हरदोई की राजनीति में 'निष्ठा' की एक नई इबारत लिख रहा है। जहाँ लोग पदों के लिए पाला बदलते हैं, वहीं एक पूर्व प्रमुख का यह कहना कि 'मेरे परिवार का भविष्य उनके (अग्रवाल परिवार के) हाथों में है', उनके गहरे लगाव और त्याग की भावना को दर्शाता है।

कराये गये वृक्षारोपण की फोटोयुक्त आख्या प्रेषित करेंः अनुनय झा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला वृक्षारोपण, जिला पर्यावरण एवं जिला गंगा समिति की बैठक जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रट में आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि विगत माह कराये गये वृक्षारोपण की फोटोयुक्त आख्या प्रेषित करें। उन्होने की पंचायत विभाग गंगा किनारे गांवों में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई करायें और लोगों को स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक करायें तथा पर्यावरण विभाग के अधिकारी जिन क्षेत्रों में मिलो आदि माध्यम से गंदा पानी गोमती व अन्य नदियों में जाता है उन्हें चिन्हित करें और गंदा पानी रोकने के सोख्या आदि की व्यवस्था कराये।

जिलाधिकारी ने कहा कि अवशेष प्रबन्धन निस्तारण एवं खुले नाली, नालियों को ढकने के संबंध में नगरीय निकाय के अधिशासी अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की जायेगी और नियमित जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, डीएफओ, डीडी कृषि, डीसी मनरेगा सहित अन्य विभाग के अधिकारी तथा गंगा समिति के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, ईओ, गणमान्य व्यक्ति आदि उपस्थित रहे।

■ अवशेष प्रबन्धन निस्तारण एवं खुले नाली, नालों को ढकने का कार्य ईओ करायें: डी0एम0

बैठक 26 फरवरी को: विनय कुमार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि जिला स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण समिति एवं गोर्वन सेल की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 26 फरवरी 2026 को स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत की गयी है। उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा है कि उक्त बैठक में निर्धारित समय पर प्रतिभागर करना सुनिश्चित करें।

सूचना

.सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै राजकुमारी पत्नी स्व रामासरे, निवासी-झौउबरिया, पोस्ट-रुसेना, लखनऊ की निवासिनी हूँ। मेरे पति रामासरे पुत्र बाबूलाल ने भारतीय जीवन बीमा निगम सण्डीला में अपने नाम बीमा पॉलिसी करवाई थी बीमा पालिसी संख्या-236138935 है। मेरे पति की 26 दिसम्बर, 2025 को मृत्यु हो गयी है। मेरे पति ने अपनी पत्नी को बीमा पालिसी मे नामिनी बनाया था जिसमे नाम विमला देवी लिखवाया था। मेरे आधार कार्ड मे राजकुमारी अंकित है, मै विमला देवी व राजकुमारी दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती हूँ दोनों नाम एक ही महिला के हैं।

राजकुमारी पत्नी स्व रामासरे,
निवासी-झौउबरिया, पोस्ट-रुसेना, लखनऊ

निजी अस्पताल, यानी जेबें खाली करने के संस्थान

कुछ साल पहले गुडगांव से एक लड़की ने लिखा था कि अपने पति को बुखार के इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां रात भर उसके पति के तरह-तरह के टैस्ट चलते रहे। दो दिन बाद छुट्टी के वक्त 10 लाख रुपए का बिल पकड़ा दिया गया। एक दूसरे लड़के ने अपनी मां के बारे में एक दुखद घटना लिखी थी। उसने बताया कि मां को पेट में दर्द हुआ। अस्पताल में बताया गया कि मां के गाल ब्लैडर में पथरी है। उनका इलाज होता रहा लेकिन तबियत बिगड़ती गई। उसने मां को कहीं और ले जाने की बात की, लेकिन डराया गया कि कहीं रास्ते में ही कुछ न हो जाए। कहा गया कि तबियत जैसे ही सुधरेगी, पथरी का आप्रेशन किया जाएगा। लेकिन तबियत नहीं सुधरी, और अंत में मां की मृत्यु हो गई। तब लड़का मां के पोस्टमार्टम पर अड़ गया। पोस्टमार्टम में जो दिल दहला देने वाली बात सामने आई, वह यह थी कि उसकी मां को पथरी थी ही नहीं। बहुत से निजी अस्पतालों में जब से मार्कीटिंग नामक विभाग का प्रवेश हुआ है, तब से डाक्टरों को टारगेट्स दिए जाने लगे हैं। टारगेट का मतलब ही यही है कि उन्हें कितना पैसा कमाकर अस्पताल को देना है। ऐसे में डाक्टर अधिक से अधिक दवाएं लिखते हैं, जिन टैस्टों की जरूरत नहीं होती, वे भी कराए जाते हैं। हाल ही में संसदीय कमेटी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक ऐसे आप्रेशन किए जाते हैं, जिनकी कोई जरूरत ही नहीं होती। भारत में लोग डाक्टरों को देवता के रूप में देखते हैं। जो उन्होंने कह दिया, वही ठीक है। आम आदमी को मालूम ही नहीं होता कि जिस मरीज को वह अस्पताल में ठीक कराने के लिए लाया है, वह अस्पताल के लिए मुनाफा कमाने की मशीन है। इसके अलावा जिन लोगों के पास मैडिक्लेम होता है, उसके अनुसार जितनी राशि मरीज को दी जा सकती है, जब तक उसे पूरी तरह न वसूल लिया जाए, मरीज को नहीं छोड़ा जाता। मैडिक्लेम कम्पनियां इस बारे में सरकार से शिकायत भी कर चुकी हैं। हाल ही में राज्यसभा की सदस्य स्वाति मालीवाल ने इस मसले को उठाया था। उन्होंने कहा कि बहुत से अस्पतालों के बैड के चार्जेज फाइव स्टार होटलों से भी ज्यादा हैं। मरीज से पूछा जाता है कि क्या उसके पास स्वास्थ्य बीमा यानी कि मैडिक्लेम है और हां कहते ही फौरन बिल का मीटर चालू हो जाता है। मरीजों को वे दवाएं भी दे दी जाती हैं, जिनकी उन्हें जरूरत ही नहीं होती। इसके अलावा बहुत सी वे दवाएं होती हैं जो सिर्फ अस्पतालों की दुकानों या किसी विशेष दुकान पर ही मिलती हैं। जो मरीज 5 दिन में ठीक हो सकते हैं, उन्हें 10-15 दिन अस्पताल में रखा जाता है। स्वाति ने जो सवाल उठाए हैं, वे अर्से से महसूस किए जा रहे हैं लेकिन मजाल है कि तमाम मामलों पर हर रोज आंदोलन करने वाले इन बातों पर कभी बोलते हों। यह भी है कि मरीज की मृत्यु के बाद भी, उसे वहां कई-कई दिन तक रखा जाता है। मृत्यु के बाद आप्रेशन का बहाना बनाकर आप्रेशन की मोटी फीस ली जाती है, फिर कह दिया जाता है कि आप्रेशन के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई। पहले सोचते थे कि सरकारी अस्पतालों की जगह निजी अस्पतालों में इलाज ठीक होता है, मगर अब सोच उलटी हो गई है। लोग कहने लगे हैं कि सरकारी अस्पतालों में भीड़ बहुत होती है लेकिन वहां डाक्टरों के ऊपर टारगेट पूरा करने और नौकरी बचाने का कोई दबाव नहीं होता, इसलिए वे इलाज ठीक करते हैं। अपने इस इतने बड़े देश में कोई सरकार चाहे तो हर जिले में ऐसे सुविधाजनक अस्पताल खोल सकती है, जहां मरीज को ठीक-ठाक इलाज मिले। उसकी देखभाल करने वालों को भी कुछ सुविधाएं प्रदान की जाएं। क्योंकि मरीज के मुकाबले उसकी देखभाल करने वालों की मामूली सुविधाओं का ध्यान कहीं नहीं रखा जाता। यदि सरकारों को लगता है कि उनके पास इतनी राशि नहीं है, तो क्यों न ऐसा करके देखा जाए कि किसी जिले में अस्पताल बनवाने के लिए वहां रहने वाले हर व्यक्ति से 10 रुपए मांगे जाएं। उन्हें पूरी योजना की जानकारी दी जाए। सरकार इसके लिए जिला अधिकारी की निगरानी में एक अकाऊंट खोले। यकीन मानिए कि लोग बड़ी संख्या में आगे आएंगे। ऐसे धनाढ्य लोग जो 10 के मुकाबले लाखों भी दे सकते हैं, वे भी इसमें भागीदारी करेंगे। करके तो देखिए। लेकिन करे कौन और क्यों करे? जब तरह-तरह के फालतू और आग लगाऊ बयानों से ही दलों का काम चल जाता है, तो वे ऐसे काम क्यों करें, जहां वाकई कोई कठिन प्रयत्न करना हो। सोचा तो यह गया था कि प्राइवेट अस्पताल आएंगे, तो लोगों को अच्छा इलाज मिलेगा।

बहुत से निजी अस्पतालों में जब से मार्कीटिंग नामक विभाग का प्रवेश हुआ है, तब से डाक्टरों को टारगेट्स दिए जाने लगे हैं। टारगेट का मतलब ही यही है कि उन्हें कितना पैसा कमाकर अस्पताल को देना है। ऐसे में डाक्टर अधिक से अधिक दवाएं लिखते हैं, जिन टैस्टों की जरूरत नहीं होती, वे भी कराए जाते हैं। हाल ही में संसदीय कमेटी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक ऐसे आप्रेशन किए जाते हैं, जिनकी कोई जरूरत ही नहीं होती। भारत में लोग डाक्टरों को देवता के रूप में देखते हैं।

एआई सम्मेलन-भारत की अभूतपूर्व सफलता और व्यथित कांग्रेस

मृत्युंजय दीक्षित

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में आए विश्व के बड़े बड़े नेता इस पहल से अचंभित थे और भारत की प्रगति की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे। बड़ी बड़ी एआई कंपनियां व निवेशक भारत के साथ समझौते कर रही थीं। जन सामान्य गर्वित हो रहा था क्योंकि यहाँ भारत की युवा प्रतिभाओं की सराहना हो रही थी। सदा से ही राष्ट्र विमुख रही कंग्रेस पार्टी से ये देखा नहीं गया और उनके कुछ चुनिंदा कार्यकर्ता वहां अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने पहुँच गए। वास्तव में अब कंग्रेस पार्टी अब प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा का विरोध करते -करते पूरी तरह भारत विरोधी हो गई है।

कंग्रेस का यह विरोध ऐसा ही था जैसे जब प्राचीन काल में जब ऋषि गण अपने आश्रमो मे किसी अच्छे कार्य के लिए यज्ञादि करते थे तो कुछ राक्षस उस यज्ञ को अपवित्र करने के लिए यज्ञकुंड में हड्डियां डालकर उसे अपवित्र करने का प्रयास करते थे। कांग्रेस ने जो कृत्य विदेशी मेहमानों के समक्ष किया है उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस घोर अराजकतावादी बन चुकी है जिसकी अब सारी उम्मीदें समाप्त होती जा रही हैं। एआई समिट कांग्रेस द्वारा की गई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से भारत का जेन- जी भी नाराज़ है जिसको भड़काकर कंग्रेस सड़क पर लाना चाहत है। भाजपा कंग्रेस द्वारा दिए गए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहती । पार्टी की तरफ से संपूर्ण भारत में कंग्रेस कर्यालयों के बाहर धरना -प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। मेरठ में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी भी कंग्रेस पर हमलावर हुए और कहा कि कंग्रेस ने एआई समिट को अपनी नग्न राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। उन्होंने कंग्रेस से पूछा कि देश तो जानता ही है कि आप पहले से ही नंगे हो फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? यह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कंग्रेस अब वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि जब मैं कंग्रेस की आलोचना करता हूं तो ऐसी सुर्खियां न चलाएं कि मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला। कंग्रेस को बचाने की ये चालाकियां बंद करें। इस पूरे घटनाक्रम में कंग्रेस को सपा बसपा सहित कई अन्य छोटे क्षेत्रीय दलो का समर्थन नहीं मिला है जिनको कंग्रेस इंडी ब्लॉक की पार्टियाँ कहती है। कंग्रेस के इस कृत्य का लालू यादव की पार्टी राजद ने भी कड़ा विरोध किया है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी विरोध किया है। कंग्रेस ने इस तरह का प्रदर्शन करके सहयोगी दलों के बीच भी अपनी फजीहत करवा ली है। आगामी समय में यह दल कंग्रेस से दूरी बनाने पर विचार भी कर सकते हैं यही कारण हे कि इन सभी दलों की प्रधानमंत्री मोदी ने सराहना की है। कंग्रेस के नेता और प्रवक्ता जिस प्रकार टी वी चैनलों व सोशल मीडिया पर इस हरकत को सही ठहरा रहे हैं उससे स्पष्ट है कि यह कंग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ही योजना थी। उनका कहना है कि लोकतंत्र मे अपनी बात कहने और सरकार का विरोध करने का अधिकार सबको है, उन्होंने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग किया है। कंग्रेसी कार्यकर्ताओं की इस हरकत से पुराने परंपरागत कंग्रेसी से भी खुश नहीं हैं और अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे है। पुराने कंग्रेस नेताओं को इस घटना से कोई हैरानी नहीं है अपितु उनका कहना है कि यह बदली हुई कंग्रेस की बदलती हुई संस्कृति की निशानी है। कंग्रेस नेता शशि थरूर भी एआई समिट को अत्यंत सफल आयोजन बता रहे हैं और कंग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन की निंदा कर रहे हैं। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के चक्कर में कंग्रेस ने भारत की छवि व भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचाया और इस तरह होली के स्वागत में अपने मुंह पर ही कालिख मल ली। कंग्रेस के नेताओं की दिली इच्छा रही है कि किसी न किसी प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारत की छवि को पूरी दुनिया में खराब किया जाए और भारत में बांग्लादेश व नेपाल जैसी अराजकता का वातावरण पैदा कर अपना स्वार्थ सिद्ध किया जाए किंतु उसका यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा है और यही कारण है कि कंग्रेस हताश होकर नंगी राजनीति पर उतर आई है।

कांग्रेस का यह विरोध ऐसा ही था जैसे जब प्राचीन काल में जब ऋषि गण अपने आश्रमो मे किसी अच्छे कार्य के लिए यज्ञादि करते थे तो कुछ राक्षस उस यज्ञ को अपवित्र करने के लिए यज्ञकुंड में हड्डियां डालकर उसे अपवित्र करने का प्रयास करते थे। कांग्रेस ने जो कृत्य विदेशी मेहमानों के समक्ष किया है उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस घोर अराजकतावादी बन चुकी है जिसकी अब सारी उम्मीदें समाप्त होती जा रही हैं। एआई समिट कांग्रेस द्वारा की गई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से भारत का जेन- जी भी नाराज़ है जिसको भड़काकर कांग्रेस सड़क पर लाना चाहत है। भाजपा कांग्रेस द्वारा दिए गए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहती । पार्टी की तरफ से संपूर्ण भारत में कांग्रेस कर्यालयों के बाहर धरना -प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। मेरठ में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी भी कांग्रेस पर हमलावर हुए और कहा कि कांग्रेस ने एआई समिट को अपनी नग्न राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि देश तो जानता ही है कि आप पहले से ही नंगे हो फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? यह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अब वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि जब मैं कांग्रेस की आलोचना करता हूं तो ऐसी सुर्खियां न चलाएं कि मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला। कांग्रेस को बचाने की ये चालाकियां बंद करें। इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस को सपा बसपा सहित कई अन्य छोटे क्षेत्रीय दलो का समर्थन नहीं मिला है जिनको कांग्रेस इंडी ब्लॉक की पार्टियाँ कहती है। कांग्रेस के इस कृत्य का लालू यादव की पार्टी राजद ने भी कड़ा विरोध किया है।

एआई यानि बदलनी होगी पढ़ाई

प्रेम शर्मा

आज के बदलते दौर में, विशेषकर एआई के उदय के बाद, पारंपरिक बीए, बीकॉम, बीएससी, थिएटर आर्ट्स, फैशन डिजाइनिंग, और पत्रकारिता जैसी कई डिग्रियां, जिनमें व्यावहारिक कौशल की कमी है, बेकार साबित हो सकती हैं। ये डिग्रियां केवल कागजी साबित होती हैं, अगर इसके साथ इंटर्नशिप या व्यावहारिक ज्ञान न हो। केवल सैद्धांतिक शिक्षा नौकरी नहीं दिलाती। कई पारंपरिक नौकरियां अब एआई द्वारा की जा रही हैं। वैसे भी इस दौर में कुछ विषय अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। वैसे भी वर्तमान समय में एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग भारत में 15 लाख स्कूल, 85 लाख से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक और प्रतिवर्ष 26 करोड़ से अधिक छात्र स्कूल प्रणाली में दाखिला लेते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, प्रतिवर्ष 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों और 42000 कॉलेजों में 4 करोड़ से अधिक छात्र दाखिला लेते हैं। हालांकि, भारतीय शिक्षा प्रणाली में निश्चित पाठ्यक्रम, पुरातन शिक्षा वितरण मॉडल और स्थिर परीक्षा अवधारणाएं हावी हैं। इससे शिक्षा और समकालीन कार्य कौशल के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति में यादि यदि डिग्री के साथ हुनर नहीं है तो वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा है। यही कारण है कि केवल डिग्री के सहारे रोजगार खोजने वाले लगभग कई करोड़ लोग आज भी बेरोजगारों की श्रेणी में खड़े है। हमारी शिक्षा प्रणाली का पाठ्यक्रम काफी पुराना हो चुका है और इस पर कई बार चर्चा हो चुकी है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया है। मौजूदा पाठ्यक्रम की बात करें तो यह तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, और यही कारण है कि यह आज के बेहद उन्नत वैश्विक उद्योग के अनुरूप नहीं है। अधिकत्तर पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों का जिक्र ही नहीं होता, बल्कि वही पुरानी बातें दोहराई जाती हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान स्नातक होने के बाद दिखता है, जब आपके पास आधुनिक कंपनियों की जरूरत के कौशल नहीं होते। यही वजह है कि रोजगार दर अभी भी इतनी कम है जबकि कार्यबल अनुपात बढ़ रहा है। कक्षा में दी गई शिक्षा और व्यावहारिक क्रियान्वयन के बीच एक स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। अपने चुने हुए क्षेत्रों में, कई भारतीय स्नातक वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। जबकि तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। एआई तकनीक के चलते अमरीका और चीन ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ हासिल कर ली है। वर्तमान समय में तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई।यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दुनिया आज तकनीकी विकास के अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका एक सबसे अहम औजार बनने जा रही है।

दिल्ली में आयोजित 'इंडिया-एआइ इम्पैक्ट समिट, 2026' में इस संदर्भ में जितने आयाम सामने आए, वे बताते हैं कि दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ केंद्रित बदलाव अब विकास की नई परिभाषा गढ़ने जा रहा है। इसमें भारत की एक अहम भूमिका होगी और खासतौर पर वैश्विक दक्षिण या विकासशील देशों में इसे नेतृत्वकारी भूमिका में देखा जा रहा है। एआइ का इस्तेमाल अब केवल सुरक्षा के मुद्दे तक केंद्रित नहीं रहा बल्कि आज विकास के क्षेत्र में समावेशी, पारदर्शी तथा जिम्मेदार सुशासन के तौर पर इसकी भूमिका का विस्तार हो रहा है। जहां तक दिल्ली में हुए एआइ सम्मेलन का सवाल है, इसमें स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास के मामले में खड़ी होने वाली बाधाओं का हल निकालने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को आगे बढ़ाने की जमीन तैयार करने की कोशिश की गई। यानी सम्मेलन में एआइ के जरिए समग्र विकास के क्षेत्र में संभावनाओं की नई राह तलाशने की भूमिका बनी।पिछले कुछ वर्षों के दौरान तकनीक, चिकित्सा और अन्य उत्पादों के निर्माण तथा उपयोग में एआइ का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। विकास के लगभग सभी क्षेत्र में इसकी अहमियत जिस रूप में बनती देखी जा रही है, उसके मद्देनजर भारत ने भी अभी से प्रयास शुरू कर दिए हैं, फिलहाल इस क्षेत्र में चीन और अमेरिका की कंपनियों का वर्चस्व है। निश्चित तौर पर भारत जैसे विकासशील देशों के सामने यह एक बड़ी चुनौती होगी, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी समस्या से पार तभी पाया जा सकता है, जब उसकी जटिलता को स्वीकार कर उसका सामना करने का विकल्प चुन लिया जाए। इस लिहाज से देखा जाए, तो भारत का यह रुख तकनीकी प्रतिस्पर्धा के मैदान में चुनौतियों का सामना करने की जमीन तैयार करता है कि देश एआइ से डरता नहीं है, बल्कि इसमें वैश्विक भलाई के लिए समृद्धि और भविष्य की संभावनाएं देखता है।इसमें कोई दोराय नहीं कि एआइ अब भविष्य की दुनिया का एक यथार्थ है और विकास की पटकथा तैयार करने में इसकी अहम भूमिका होने जा रही है। मगर इसके समांतर यह देखने की जरूरत होगी कि नए बनने वाले ढांचे में समाज के सभी वर्गों के हित को सुनिश्चित करने का उद्देश्य किस हद तक पूरा हो पाता है। इस संदर्भ में एआइ की बढ़ती भूमिका के दौर में बड़े पैमाने पर नौकरियों का दायरा सिकुड़ने और अवसर कम होने की जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, उसका हल निकालना एक बड़ी चुनौती होगी। यही नही हम वर्तमान समय में जिस दौर से गुजर रहे है उस दौर में प्रारम्भिक शिक्षा को ही कम्प्यूटर तकनीक से जोड़कर हाईस्कूल के बाद एआई तकनीक शिक्षा का मूल मंत्र मानकर पाठ्यक्रम तैयार करना होगा। यही नही ग्रामीण स्तर अभाव ग्रस्त शिक्षा व्यवस्था में भी अमूलचूल परिवर्तन की भूमिका में सरकार को अगर महत्ती भूमिका निभानी होगी तो देश के युवा वर्ग को एआई शिक्षा की चुनौती को स्वीकार करना होगा।

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति शृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-धुरवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है। भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो। भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को ़वसुधैव कुटुम्बकम्ङ्क का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे। आज दुनिया दो धुरवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

तीन वर्ष की निरंतर उपलब्धियों पर खुशी-उपासना सम्मानित

डीएम गौरांग राठी ने विद्यालय आने का दिया वादा

- स्वर्ण पदक पहनाकर किया सम्मान, हर्बल गुलाल की पहल सराही, विद्यालय विकास प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। कलेक्ट्रेट परिसर में उस समय गौरवपूर्ण माहौल बन गया जब गौरांग राठी, जिलाधिकारी उन्नाव ने रामपुर गढ़ौवा की छात्राओं खुशी और उपासना को लगातार तीन वर्षों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए अपने कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया। उन्होंने दोनों छात्राओं को स्वर्ण पदक पहनाकर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। सम्मान समारोह के दौरान जिलाधिकारी ने शीघ्र ही उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा पहुंचने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों के बीच समय बिताने और उनके साथ एक अभ्यास मैच खेलने की इच्छा जताई।

विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता और खेलों में मिल रही निरंतर सफलताओं की सराहना करते हुए उन्होंने विद्यालय परिवार बच्चों के कोच की भूमिका निभा रहे शिक्षक प्रदीप वर्मा की प्रशंसा की। प्रदीप वर्मा द्वारा एमडीएम शेड निर्माण और विभिन्न झूलों की व्यवस्था के प्रस्ताव पर उन्होंने सहमति देते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

होली के अवसर पर छात्राओं ने विद्यालय की लर्निंग बाई डूइंग प्रयोगशाला में तैयार किए गए लाल, पीले, हरे, गाजरी और गुलाबी हर्बल गुलाल जिलाधिकारी को भेंट किए। आकर्षक ढंग से सजाए गए डिब्बों में सजे इन रंगों ने सबका ध्यान खींचा। जिलाधिकारी ने गुलाल निर्माण की पूरी प्रक्रिया और उसके उद्देश्य को विस्तार से समझा। छात्राओं ने बताया कि केमिकल युक्त व विदेशी गुलाल से त्वचा की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। शिक्षक प्रदीप के मोबाइल पर निर्माण प्रक्रिया का वीडियो देखने के बाद जिलाधिकारी ने होली में सुरक्षित व स्वदेशी गुलाल के प्रयोग को प्रोत्साहित किया। खुशी और उपासना ने बीते तीन वर्षों में खेल एवं अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसी प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग दिया जाएगा ताकि वे आगे चलकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं। उन्होंने विद्यार्थियों के सुरक्षित और सशक्त भविष्य के लिए आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया और जल्द ही विद्यालय पहुंचकर सभी बच्चों से मिलने की बात दोहराई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न टीवी चैनलों के पत्रकारों ने छात्राओं का साक्षात्कार लिया। शिक्षक संजीव संखवार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन प्रशासन और विद्यालय के समन्वय का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा, जिसने प्रतिभा, नवाचार और आत्मनिर्भरता के संदेश को मजबूती दी।

फर्जी पेमेंट स्क्रीनशॉट दिखाकर 10 हजार की ठगी, पुलिस ने पूरी रकम कराई रिफंड

- कोतवाली सदर पुलिस की तत्परता से युवक को मिली राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। फर्जी पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखाकर 10 हजार रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित युवक को पूरी धनराशि वापस दिलाई। मामला कोतवाली सदर क्षेत्र का है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। एबी नगर निवासी प्रतीक सिंह ने ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर 18 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि एक युवक उसके साइबर कैफ़े पर आया और फर्जी पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखाकर भरोसे में लेकर 10 हजार रुपये नकद लेकर चला गया।

शिकायत मिलते ही उत्तर प्रदेश पुलिस की कोतवाली सदर साइबर टीम सक्रिय हुई। आवश्यक जांच-पड़ताल एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 25 फरवरी 2026 को पूरी 10 हजार रुपये की धनराशि पीड़ित को रिफंड करा दी गई।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित ने राहत की सांस ली और आभार जताया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि किसी भी ऑनलाइन भुगतान की पुष्टि बैंक खाते में राशि प्राप्त होने के बाद ही करें तथा संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें।

कार्रवाई करने वाली टीम

प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र।
अपराध निरीक्षक राजेश यादव।
महिला आरक्षी सोनिया शर्मा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेसियों द्वारा किया गया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को न्याय दिलाने की मांग को लेकर मुख्यालय पर बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया गया। जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने शंख बजाकर पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला तथा प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल को सौंपा। कंग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को गंगा स्नान से रोके जाने तथा उन पर आशुतोष पांडे द्वारा लगाए गए दुराचार के आरोपों से संत समाज और उनके अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। पार्टी ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच सी बी आई से कराए जाने व शंकराचार्य को दोषमुक्त किये जाने की मांग की। ज्ञापन में कंग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता आशुतोष पांडे पर पूर्व से कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पार्टी ने कहा कि वह इस मुद्दे को गांव-गांव तक ले जायेगी तथा न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखेगी।

कंग्रेस ने भाजपा सरकार पर शंकराचार्य को पॉक्सो जैसे गंभीर मामले में फंसाने का भी आरोप लगाया। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के अलावा हिन्दू पीठाधीश्वरलाज भूपेन्द्राचार्य जी महाराज , आचार्य वेद प्रकाश, रोहित कुमार, मनोज सिंह पटेल, संतोष शुक्ला, रामबहादुर त्रिपाठी, दीपक पांडेय, मनोज शुक्ला, हेमंत, सचिन पाण्डेय, सुरेन्द्र शुक्ला सहित सैकड़ों महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

होली पर कानून से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

- नई परंपरा पर रोक, हुड़दंग पर सख्ती; अवैध शराब और मिलावटी मावा के खिलाफ चलेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। होलिका दहन और होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में स्पष्ट कर दिया गया कि त्योहार उल्लास का है, लेकिन कानून से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी गौरांग राठी ने की। इसमें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम और सीओ से उनके क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि कहां-कहां होलिका दहन होगा, किन मार्गों से जुलूस निकलेंगे और स्थानीय स्तर पर पीस कमेटी की बैठकें संपन्न हुई हैं या नहीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में नई परंपरा शुरू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पूर्व से चली आ रही व्यवस्थाओं के अनुरूप ही आयोजन होंगे। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। पर्व से संबंधित सभी आवश्यक अनुमतियां समय से जारी करने की जिम्मेदारी भी तय की गई है। जिलाधिकारी ने त्योहार से पहले व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नालियों की सफाई, कूड़ा उठान और चूना छिड़काव सुनिश्चित करने को कहा गया है। बिजली विभाग को जर्जर और झूलते तारों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। अधीक्षण अभियंता (विद्युत) को कंट्रोल रूम स्थापित कर उसका नंबर सार्वजनिक करने को कहा गया है, ताकि आपात स्थिति में तत्काल संपर्क हो सके। जल निगम को पेयजल आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने, पंप ऑपरेटरों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक करने और ड्यूटी चार्ट पहले से जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जिला अस्पताल समेत सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों और स्टाफ की ड्यूटी पूर्व निर्धारित करने तथा बिना अनुमति अवकाश न देने के निर्देश दिए गए हैं। आपात स्थिति के लिए एंबुलेंस और आवश्यक दवाएं उपलब्ध रखने पर जोर दिया गया है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को संवेदनशील स्थानों के आसपास तैनात रखने की योजना बनाई गई है, ताकि आगजनी की किसी भी घटना पर तत्काल नियंत्रण पाया जा सके। जिला आबकारी अधिकारी को होली से पहले अवैध शराब के भंडारण और बिक्री के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित बंदी का सख्ती से पालन कराया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग को मावा, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों पर छापेमारी कर मिलावट की जांच करने को कहा गया है। त्योहार के दौरान मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति डीजे नहीं बजेंगे। निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन अनिवार्य होगा। अश्लील या भड़काऊ गीतों पर भी पूर्ण रोक रहेगी, ताकि किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने कहा कि त्योहार के नाम पर हुड़दंग, जबरन रंग डालने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी एसडीएम और सीओ को क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस की पाठशाला में शिक्षक हुए जागरूक

- साइबर क्राइम व मिशन शक्ति फेज़-5 पर कार्यशाला, 1930 व 1090 हेल्पलाइन के उपयोग पर दिया जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ल्लपुलिस की पाठशालाङ्ग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में अमर उजाला फाउंडेशन के सहयोग से डाइट प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यशाला में बड़ी संख्या में डाइट प्रशिक्षु, शिक्षक व शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उससे बचाव के प्रभावी उपाय बताए गए। साथ ही मिशन शक्ति फ़ेज-5 की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्राधिकारी नगर श्रीमती विनी सिंह ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं वीमेन पावर हेल्पलाइन 1090 के उपयोग की जानकारी देते हुए साइबर अपराध और महिला उत्पीड़न से बचने के उपाय समझाए।

प्रभारी निरीक्षक ककोटाली सदर चंद्रकांत मिश्रा ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुष्परिणामों से सचेत करते हुए साइबर अपराध में न फंसने की सलाह दी। महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह ने फर्जी कॉल के माध्यम से होने वाले डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराधों से बचाव के तरीके बताए। महिला आरक्षी सोनिया शर्मा ने डॉट एपीके (इ्घ्ख) फाइल एवं संदिग्ध ई-चालान फाइल डाउनलोड न करने की सलाह देकर सतर्क रहने को कहा।

साइबर वॉलंटियर्स आलोक अवस्थी, समन आफरीन, डॉ. रूपेश एवं ग्राम प्रधान अमरेश ने अपरिचित व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर न जोड़ने तथा किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी साझा न करने की हिदायत दी।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन परिवार परामर्श केंद्र के सलाहकार मंडल प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर ने किया। उन्होंने कहा कि स्वयं जागरूक रहकर और दूसरों को सचेत करके ही साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

डायट प्राचार्या अमिता सिंह, प्रवक्ता शिल्पा, प्रशिक्षक शशांक चौहान, दिनेश एवं हर्ष सहित अन्य शिक्षकों ने इस प्रकार की जनउपयोगी कार्यशालाएं समय-समय पर आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई।

उप निरीक्षक कंचन सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आरक्षी नासिर, सोनू चौहान तथा महिला आरक्षी ज्योति, स्वाती व सिमरन भी उपस्थित रहीं।

मार्ग दुर्घटना में ई रिक्शा चालक समेत दो गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा-उन्नाव। पुरवा मौरावां हाईवे पर असेहरू नहर पुलिया के आगे ई-रिक्शा को तेजरफ्तार लोडर ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे ई-रिक्शा चालक समेत एक शिक्षिका व एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। बुधवार अपरान्ह पुरवा-मौरावां मार्ग के डेला मोड़ अंतर्गत स्थित एक डिग्री कालेज व पब्लिक स्कूल से छुट्टी होने के बाद एक शिक्षिका व छात्रा ई-रिक्शा पर सवार होकर अपने घर पुरवा की ओर लौट रहे थे। जब वह मुख्य मार्ग पर पहुंचे तो असेहरू पुलिया से पहले सामने से आ रहे एक अनियंत्रित तेजरफ्तार पिकअप वाहन ने ई-रिक्शा में ज़ोरदार टक्कर मार दी। इससे चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हादसे में ई-रिक्शा में सवार कस्बे के मोहल्ला दलीगढ़ी निवासी मुकेश की 22 वर्षीय पुत्री अर्पिता द्विवेदी जो कि डेला मार्ग स्थित एक पब्लिक स्कूल में शिक्षिका है और स्थानीय डिग्री कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा शगुन (19) पुत्री प्रवीण मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि ई-रिक्शा चला रहे कस्बे के ही मोहल्ला वजीरगंज निवासी चालक चंदन पुत्र मोहन लाल को भी गंभीर चोटें आई हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद ई-रिक्शा चालक चंदन की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए ज़िला अस्पताल रेफर कर दिया है।

कैंपस निर्माण में हादसे से छात्र की मौत, विरोध में कॉलेज में तोड़फोड़

कानपुर। सचेण्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित परविंदर सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (पीएसआईटी) में बीते सोमवार को कैंपस निर्माण कार्य मे लगी जेसीबी से टकराकर बीसीए फाइनल ईयर के छात्र की मौत हो गयी थी। जिसके विरोध में बुधवार को हजारों छात्रों ने कालेज परिसर में घुसकर खिड़की, दरवाजे और टेबल तोड़ दी। तोड़फोड़ की सूचना पर सर्किल फोर्स समेत सात से आठ थानों की पुलिस और पीएसी मौके पर पहुंची।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टैली/टेंडर/23/2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के लखनऊ-सुल्तानपुर-जफराबाद खंड में आगामी निरीक्षण हेतु दूरसंचार अवसंरचना को मजबूत करने लिए दूरसंचार का कार्य।
अनुमानित लागत	रु. 57,73,996.96/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु. 1,15,500.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	90 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	16.03.2026, 15:30 बजे।
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं.: 106-टैली/टेंडर/23/2025-26 दिनांक: 21.02.2026 632/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 19.03.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1.	निविदा सूचना संख्या	0821/2026 दिनांक 24.02.2026			
2.	निविदा संख्या	05-Sr-DEN-C-LKO-2025-26 06-Sr-DEN-C-LKO-2025-26			
3.	कार्य का नाम	1. [illegible] (50000 Cum) [illegible] (50000 Cum) कुल 100000 घन मीटर 65 एम एम [illegible] (टोकनी पैकेट प्रणाली) 2. [illegible] A/T [illegible] (30000 Cum) 65 एम एम [illegible]			
4.	अनुमानित लागत	1.	Rs. 13,41,76,000.00	2.	Rs. 3,05,12,400.00
5.	धरोहर राशि	1.	Rs. 8,20,900.00	2.	Rs. 3,02,600.00
6.	कार्य की समापन अवधि	1.	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से आठ माह।		
		2.	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से चार माह।		
7.	निविदा खुलने का प्रारंभ	06.03.2026			
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	19.03.2026 at 15.00 बजे			
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in			

नोट : 1. [illegible] IS: 2386 Pt-IV-1963 [illegible] IS: 2386 Pt.-III-1963 [illegible] IS: 2386 Pt. III 1963 [illegible] 2. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 625/26

ई-रिक्शा व ई-ऑटो के संचालन में जोनवार व्यवस्था लागू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था सुधारने और अव्यवस्था का कारण बन रहे ई-रिक्शा व ई-ऑटो को संगठित करने की दिशा में पुलिस ने नई कलर कोड क्यूआर स्टीकर व्यवस्था लागू कर दी है। बुधवार को रेलबाजार स्थित ट्रैफिक पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने हरी झंडी दिखाकर इस व्यवस्था की शुरुआत की और जोनवार रंगीन क्यूआर कोड स्टीकर वितरित किए।

इस नई व्यवस्था के तहत अब हर ई-रिक्शा और ई-ऑटो को अपने निर्धारित जोन के अनुसार विशिष्ट रंग का क्यूआर कोड स्टीकर लगाना अनिवार्य होगा। शहर को सात जोन–रेड, ग्रीन, धानी, ब्लू, येलो, वायलेट और पिंक–में विभाजित किया गया है। अब प्रत्येक वाहन केवल अपने आवंटित जोन में ही संचालन कर सकेगा। इससे अवैध संचालन पर रोक लगेगी और मुख्य मार्गों पर लगने वाले जाम में कमी आएगी। अपर पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि क्यूआर कोड स्टीकर डिजिटल निगरानी का जरिया होगा। इसे स्कैन करने पर वाहन और चालक से जुड़ी पूरी जानकारी–रजिस्ट्रेशन, बीमा, फिटनेस और ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध होगी। इससे यात्रियों को सत्यापित चालक और फिट वाहन से यात्रा करने का भरोसा मिलेगा और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सम्भव होगी। ई-रिक्शा/ई-ऑटो मालिक अपने सम्बंधित थाना या सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) कार्यालय परिसर में बने काउंटर पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, बीमा, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस प्रमाण पत्र जमा कराकर स्टीकर प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रक्रिया बुधवार से शुरू कर दी गई है। छह मार्च से बिना स्टीकर या जोन से बाहर संचालन करने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वृहद रोजगार मेले में साक्षात्कार के माध्यम से 1097 अभ्यर्थी चयनित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कौशल विकास मिशन एवं राजकीय, पॉलीटेक्निक मुरादाबाद के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन राजकीय पॉलीटेक्निक में किया गया।जिसमें साक्षात्कार के माध्यम से 1097 अभ्यर्थियों को चयनित/शार्ट लिस्ट किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष डा. शैफाली सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इस रोजगार मेले में लगभग 50 कम्पनियों एवं लगभग 3000 से अधिक रोजगार के इच्छुक युवाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा विभिन्न प्रतिभागी कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से 1097 अभ्यर्थियों को चयनित/शार्ट लिस्ट किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की बेरोजगारी न केवल भारत अपितु समग्र विश्व की एक प्रमुख समस्या है। हमारा देश विकास के पथ पर बहुत ही तेजी से अग्रसर है। इस प्रक्रिया को तीव्रता प्रदान करने हेतु केन्द्र तथा राज्य सरकार हर हाथ को काम देने के लिए कृत संकल्पित है। आज राजकीय पॉलीटेक्निक, मुरादाबाद के मैदान पर आयोजित किया जा रहा यह वृहद रोजगार मेला इसी दिशा में किया जा रहा एक बेहतर प्रयास है।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ शेफाली चौहान ने कहा कि मुरादाबाद के युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का यह अवसर है। युवाओं से अनुरोध है कि वह शुरूआत करें और आगे बढ़े, अपने हुनर को निखार कर कम्पनी की आवश्यकता बने।

कार्यक्रम में प्रमुख स्थानीय कम्पनियाँ जैसे पशुपति एकिलोन लिमिटेड, ईवा फाईवर, कॉसमॉस अस्पताल, जीनस पेपर मिल, बजीर चन्द्र प्रा0लि0, सी0एल0 गुप्ता, डिजाइन्को प्रा0लि0, साई अस्पताल, एशियन विवेकानन्द अस्पताल, पुखराज हैल्थ केयर प्रा0लि0 तथा आदि को इस मेले में आमंत्रित किया गया है। इसी प्रकार मुरादाबाद से बाहर एवं बेहतर रोजगार के अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए निजी क्षेत्र की बड़ी कम्पनियाँ जैसे रोलोन सेल्स, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड, टाटा मोटर्स लिमिटेड, महेन्द्रा स्वराज, श्रीराम पिस्टन एण्ड रिंग लिमिटेड, डाइकन ए0सी0, आदि ने प्रतिभाग किया।

भारत नेपाल मैत्री महोत्सव में सांस्कृतिक संगम

विद्यार्थियों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) के तत्वावधान में भारतऽनेपाल मैत्री महोत्सव के अंतर्गत युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गोल्डेन जुबली हॉल में बुधवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में संगोष्ठी, रंगोली, चित्रकला एवं लोकनृत्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से भारतऽनेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत का सजीव प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संस्थापक राजा युवराज दत्त सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अतिथियों के स्वागत, सरस्वती वंदना और कुलगीत के बाद संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी ने महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसके सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा प्रियांशी ने नेपाली नृत्य, वर्षा, कोयल एवं पूनम ने थारू जनजातीय नृत्य तथा लवी ने कजरी नृत्य प्रस्तुत कर सराहना बटोरी। मुख्य वक्ता प्रो. संजय कुमार (राजनीति शास्त्र विभाग) ने भारतऽनेपाल संबंधों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनयिक आयामों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि दोनों देशों की मित्रता सांस्कृतिक निरंतरता पर आधारित है। नैना गुप्ता की कत्थक शैली में होली नृत्य तथा जनजातीय होली नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि सदर विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि भारतऽनेपाल की मित्रता हमारी साझा लोकसंस्कृति की जीवंत पहचान है और ऐसे आयोजन संबंधों को और प्रगाढ़ करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. (डॉ.) हेमन्त कुमार पाल ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को रेखांकित करते हुए इसे नई पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने वाला सशक्त सेतु बताया। प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं विशिष्ट प्रतिभागियों को स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. ज्योति पंत (अर्थशास्त्र विभाग) रहीं। विशेष आकर्षण के रूप में महाविद्यालय के सत्र 1976ऽ77 के पूर्व छात्र एवं ओएनजीसी से सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। महोत्सव की अगली कड़ी 26 फरवरी 2026 को राजकीय एकलव्य आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज, लखीमपुर-खीरी में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गन्ना भुगतान अटका, होली फीकी किसान मायूस : अंजनी दीक्षित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज ग्रुप की चीनी मिलों पर बकाया गन्ना भुगतान लंबित होने से किसानों में भारी नाराजगी है। भुगतान न होने के कारण किसान मिल को गन्ना सप्लाई करने में हिचक रहे हैं, जिससे मिलों तक गन्ने की आमद प्रभावित हो रही है। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी दीक्षित ने कहा कि खेतों में पर्याप्त मात्रा में गन्ना खड़ा है, लेकिन भुगतान की गति तेज न होने से किसानों का भरोसा डगमगा रहा है। उनका कहना है कि यदि नवंबर माह का बकाया एकमुश्त जारी कर दिया जाए तो किसानों का विश्वास लौटेगा और मिलों को गन्ने की आपूर्ति भी बढ़ेगी। वर्तमान में लगभग 30 प्रतिशत से अधिक गन्ना खेतों में खड़ा बताया जा रहा है। दीक्षित ने कहा कि होली का त्योहार निकट है, परंतु किसान और मजदूर दोनों आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। गन्ने की बुवाई में लागत बढ़ चुकी है, बीज की व्यवस्था भी किसानों को स्वयं करनी पड़ रही है। उधर मार्च क्लोजिंग के चलते बैंक कर्ज अदायगी को लेकर दबाव बना रहे हैं, जिससे किसानों की स्थिति दयनीय हो गई है। उन्होंने मांग की कि बजाज ग्रुप कम से कम 60 से 80 करोड़ रुपये का एकमुश्त भुगतान करे, ताकि किसानों को राहत मिल सके और मिलों को गन्ना मिलना शुरू हो। किसानों के सामने दुविधा है कि वे कोल्हू, क्रेशर पर गन्ना बेचें या मिल को सप्लाई करें। यदि मिल समय से पहले बंद हो गई तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दीक्षित ने यह भी कहा कि मिल प्रशासन किसानों की समस्याओं पर मौन है और शासन-प्रशासन को भी किसानों की मजबूरी नजर नहीं आ रही। लगातार बढ़ते कर्ज के कारण किसान संकट के दौर से गुजर रहे हैं।

जिसका असर आने वाले समय में व्यापक रूप से दिखाई दे सकता है।

प्राचीन हनुमान मंदिर की भूमि पर कब्जे की कोशिश, प्रशासन ने रुकवाया निर्माण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

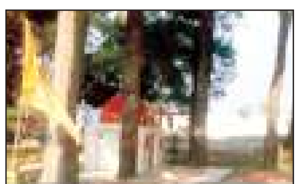

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के नगरा सलेमपुर गांव, बांकेगंज रोड स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर की भूमि पर कथित कब्जे की कोशिश का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विरोध जताया।

ग्रामीणों का आरोप है कि मंदिर की जमीन पर अवैध निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया था। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद प्रशासन सक्रिय हुआ। कानूनगो अरुणेश मिश्रा और लेखपाल अनिल त्रिपाठी थाना हैदराबाद पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य रुकवा दिया।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ वर्ष पूर्व मंदिर परिसर में कुटिया बनाकर रह रहे एक साधु दंपति के साथ मारपीट व आगजनी की घटना हुई थी, जिसमें कथित रूप से साजिश कर महिला को ही आरोपी बनाकर जेल भेज दिया गया था। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

ग्राम कोरिया के प्रधान प्रतिनिधि करुणेश वर्मा और नगरा सलेमपुर के ग्राम प्रधान जहीरूद्दीन ने प्रशासन को लिखित व मौखिक शिकायत देकर मंदिर की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। प्रधान का कहना है कि धार्मिक स्थल की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि विवाद के दौरान विपक्षी पक्ष द्वारा राइफल निकालने की बात कही गई है, जिसकी शिकायत थाना हैदराबाद पुलिस से की गई है। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में तहसीलदार भीमचंद ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। खेत मालिक और मंदिर पक्ष के बीच जमीन को लेकर विवाद है। तहसील प्रशासन की ओर से कानूनगो व लेखपाल को भेजकर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है तथा जमीन की पैमाइश कराकर नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा।

28 फरवरी को आईटीआई लखीमपुर खीरी में लगेगा शिक्षुता मेला, अभ्यर्थियों को मिलेगा रोजगार का अवसर

लखीमपुर खीरी। युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लखीमपुर खीरी में 28 फरवरी को प्रातः 10:30 बजे से अपरान्ह 3:30 बजे तक शिक्षुता मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित अधिष्ठान एवं कम्पनियां प्रतिभाग कर अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। अप्रेंटिस प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षिक एवं तकनीकी बायोडाटा के साथ संस्थान परिसर में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। अभ्यर्थियों को मेले में प्रतिभाग के दौरान अपने सभी मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उनकी छायाप्रति भी अनिवार्य रूप से साथ लानी होगी, जिससे चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। संस्थान प्रशासन ने अधिक से अधिक अभ्यर्थियों से मेले में पहुंचकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

शारदा बाढ़ पीड़ितों के 40 साल पुराने आश्रय पर चला बुलडोजर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। करीब चार दशक पहले शारदा नदी की भीषण बाढ़ से उजड़े खरवहिया नंबर-1 के मजरा लोधपूर्वा के परिवारों का बसेरा आखिरकार प्रशासनिक कार्रवाई में उजड़ गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने जेसीबी से 16 परिवारों के मकान व झोपड़ियां ध्वस्त करा दीं, जिससे सभी परिवार खुले आसमान तले रहने को मजबूर हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, लगभग 40 वर्ष पूर्व आई बाढ़ में सबकुछ गंवाने के बाद तत्कालीन प्रधान मधुपाल चौधरी ने मानवीय पहल करते हुए अपनी मौजे की भूमि पर इन परिवारों को बसाया था। समय के साथ ग्रामीणों ने मेहनत-मजदूरी कर पक्के मकान भी खड़े कर लिए थे। दो वर्ष पूर्व गांव के ही रामनरेश व त्रिलोकी (पुत्र स्व. सुंदरलाल वर्मा) ने उक्त भूमि पर स्वामित्व का दावा किया और न्यायालय में वाद दायर किया। सुनवाई के बाद अदालत ने भूमि को वादियों की संपत्ति मानते हुए कब्जा मुक्त कराने का आदेश दिया। आदेश के पालन में प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में मकानों को ढहा दिया गया।

प्रभावित परिवार कार्रवाई से प्रभावित परिवारों में जयप्रकाश, दुलारे, छोटू, मूला देवी (पुत्रगण बिंद्रा प्रसाद), सुनील, अनिल, पप्पू, रामकली (पत्नी व पुत्रगण रामप्रसाद), राजेंद्र, छोटू, गुड्डू (पुत्रगण गोरेलाल), विनीत, अशोक, अंशु, सुमन देवी (पत्नी व पुत्रगण प्रकाश लोध), कमलेश (पुत्र भगौती), प्रदीप, संदीप व जगदेई (पत्नी व पुत्रगण जगदीश) शामिल हैं। प्रशासन की ओर से तीन दिन के भीतर जमीन खाली करने की चेतावनी दी गई थी। अब घर उजड़ने के बाद परिवार ठंडी रातें खुले में गुजारने को विवश हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले बाढ़ ने सबकुछ छीना, अब अदालत के फैसले ने सिर छिपाने की जगह भी छीन ली।

पीड़ितों ने प्रशासन के उच्चाधिकारियों और धौरहरा विधायक से सुरक्षित एवं स्थायी पुनर्वास की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन को बाध्य होंगे क्षेत्रीय लोगों ने भी प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए बाढ़पीड़ित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन की कब्जेदारी को लेकर विवाद, चार आरोपी गिरफ्तार

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम कोटखेरवा में जमीन की कब्जेदारी को लेकर हुए विवाद में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में विजय बहादुर (58) पुत्र स्व. गजोधर लाल एवं योगेश (28) पुत्र विजय बहादुर निवासी ग्राम कोटखेरवा थाना हैदराबाद, तथा सुधीर शुक्ला (40) व सचिन शुक्ला (34) पुत्रगण शांति स्वरूप शुक्ला निवासी ग्राम घरथनिया थाना हैदराबाद शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय, गोला के समक्ष पेश किया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हेमंत कटियार, आरक्षी नितिन और पुनीत कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

खतौनी संशोधन में लापरवाही व धन मांगने के आरोप में लेखपाल निलंबित

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक खतौनी के अंश सुधार एवं नाम संशोधन के मामले में लापरवाही और अनाधिकृत धन की मांग के आरोप में क्षेत्रीय लेखपाल को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, जिलाधिकारी के जनता दर्शन में ग्राम चांदपलिया, पोस्ट इटहुआ निवासी अंगद यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 30 जनवरी 2026 को आवेदन देने के बावजूद खतौनी में अंश सुधार व नाम संशोधन की कार्रवाई लंबित है। आरोप है कि संबंधित लेखपाल द्वारा कार्यवाही के लिए अनाधिकृत धन की मांग की जा रही थी। इस प्रकरण की प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें क्षेत्रीय लेखपाल राजीव यादव प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए। जांच में धन उगाही का तथ्य भी सामने आया। उप जिलाधिकारी सलेमपुर दिशा श्रीवास्तवा ने आरोपित लेखपाल राजीव यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही मामले की विस्तृत जांच के लिए नायब तहसीलदार भटनी हरि प्रसाद को जांच अधिकारी नामित कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

होली से पहले आजमगढ़ में 13.5 क्विंटल मिलावटी खोया-पनीर नष्ट, लाखों की मिलावटी मिठाई जब्त

आज़मगढ़। जिले में होली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को सेहदा स्थित पनीर व खोया भंडारण इकाई पर छापेमारी कर भारी मात्रा में संदिग्ध खाद्य सामग्री जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान लाखों रुपये मूल्य के मिलावटी खोया, पनीर और मिठाइयों को नष्ट कराया गया। होली पर्व को देखते हुए जिलेभर में अभियान लगातार जारी है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ तथा जिलाधिकारी के आदेश पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सहायक आयुक्त खाद्य सुशील कुमार मिश्र के निर्देशन में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने सेहदा स्थित पनीर व खोया भंडारण इकाई पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान आगरा से लाकर संग्रहित किए गए खाद्य पदार्थों में से दो खोया, एक पनीर, एक काजू बर्फी और एक स्पेशल बर्फी का नमूना लिया गया। जांच के दौरान खाद्य पदार्थ अस्वच्छ परिस्थितियों में संग्रहित पाए गए और मिलावट की आशंका पर लगभग 548 किलोग्राम खोया (मूल्य ?1,64,400), 149 किलोग्राम पनीर (?44,700), 24 किलोग्राम काजू बर्फी (?19,200) तथा 648 किलोग्राम स्पेशल बर्फी (?99,200) जब्त कर नष्ट कराया गया। कुल मिलाकर लगभग 13.5 क्विंटल खाद्य सामग्री, जिसकी कीमत करीब ?3,27,500 आंकी गई, नष्ट की गई। इसके अलावा बोंगरिया बाजार मेंहनगर, गोपालपुर, खरिहानी और मेंहनगर चौराहा से भी बेसन, सरसों का तेल, खोया, छेना मिठाई और गुलाब जामुन मिक्स समेत 6 अन्य नमूने लिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है। अब तक चलाए गए अभियान में 26 छापेमारी के दौरान 35 नमूने संग्रहित किए जा चुके हैं। 940 किलोग्राम खाद्य पदार्थ सीज किए गए हैं, जबकि 1394 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट की जा चुकी है।

धौरहरा में होली पर शांति का संकल्प, पीस कमेटी बैठक में एसडीएम की सख्त हिदायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के उद्देश्य से धौरहरा पुलिस ने पीस कमेटी की बैठक आयोजित की। गांवों के प्रधानों और गणमान्य नागरिकों के साथ हुई बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी शशिकांत मणि ने की। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी शमशेर बहादुर सिंह और थाना प्रभारी रविंद्र सोनकर भी मौजूद रहे। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता या टकराव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी गली-मोहल्ले में होली दहन को लेकर विवाद हो या कोई शरारती तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि त्योहार को देखते हुए पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी की जाएगी। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अपील की कि छोटे-मोटे विवाद आपसी समझदारी से सुलझाएं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को अवश्य सूचना दें। पीस कमेटी के सदस्यों ने प्रशासन को शांतिपूर्ण होली का आश्वासन दिया। पुलिस ने विशेष अपील की कि होली के दौरान शराब और हथियारों से दूरी बनाए रखें तथा सामाजिक सौहार्द कायम रखें।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से चार वर्षीय मासूम की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के थाना फफूँद क्षेत्र के ग्राम पाता खानपुर में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में चार वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऊषा देवी पत्नी विनोद कुमार, निवासी पाता खानपुर का चार वर्षीय नाती मधुर घर के बाहर गली में खेल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आए एक बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। परिजन तुरंत घायल बच्चे को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीड़िता ऊषा देवी ने बाइक नंबर सहित नामजद तहरीर दी है। थाना फफूँद प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

धौरहरा में 'यादव जी की लव स्टोरी' के खिलाफ हुंकार, यादव समाज ने निकाला पैदल मार्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म के विरोध में बुधवार को यादव समाज के सैकड़ों लोगों ने नगर में पैदल मार्च निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और फिल्म पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

यह प्रदर्शन सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया) के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म में यादव समुदाय की छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। मार्च के दौरान 'फिल्म का बहिष्कार करो', 'यादव समाज जिंदाबाद' जैसे नारों से क्षेत्र गूंज उठा। समाज के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि फिल्म का प्रसारण नहीं रोका गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में फिल्म पर तत्काल रोक लगाने और संबंधित निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। प्रशासन ने ज्ञापन को उच्च अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, हालांकि एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात रहा।

मॉडर्न फ्यूजन थीम पर सजा फूड फ़ेयर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- शिक्षा के साथ उद्यमशीलता और टीमवर्क ही गढ़ता है भविष्य: डॉ अर्चना तिवारी
- युवा नारी शक्ति के हाथों नवाचार और स्वाद का अनोखा संगम

गोरखपुर। शिक्षा के साथ उद्यमशीलता और टीम वर्क से ही युवाओं के भविष्य का निर्माण संभव है। नए भारत की नई शिक्षा नीति में यह ऐसा नियामक तत्व है जिससे पूर्ण विकसित भारत की आधारशिला रखी जा रही है। 2047 के विकसित भारत का यही सपना भी है।

प्रख्यात शिक्षाविद और पूर्वांचल में गृहविज्ञान विषय की संस्थापक डॉ अर्चना तिवारी ने उक्त बातें कही। वह चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज में आयोजित विशाल फूड फ़ेयर में मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित कर रही थीं।

चंद्रकांति रमावती देवी आर्य महिला कॉलेज में बुधवार को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गृह विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में फूड फ़ेयर प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष प्रतियोगिता की थीम माडर्न फ्यूजन डिशेज इन होली : विविध स्वरूप रही, जिसके अंतर्गत छात्राओं ने होली से जुड़े पारम्परिक व्यंजनों को आधुनिक फ्यूजन शैली में आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अर्चना तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, गंगोत्री देवी महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर की गरिमामयी उपस्थिति के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री पुष्पदंत जैन, चेयरपर्सन मैनेजमेंट कमिटी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया तथा सभी स्टॉलों का अवलोकन कर छात्राओं की सृजनात्मकता एवं रचनात्मक व्यंजन प्रस्तुति की सराहना की तथा यह भी बताया कि कॉलेज में आयोजित होने वाले फूड फ़ेयर छात्रों में उद्यमशीलता, कुकिंग स्किल और टीमवर्क को बढ़ावा देते हैं अतः सभी छात्राओं को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की छात्राओं ने अपने-अपने आकर्षक एवं सुसज्जित स्टॉल लगाए, जिनमें होली विशेष व्यंजनों को नवीन एवं मनमोहक रूप में प्रस्तुत किया गया। जैसे गुजियों की बारात ,कोकोनट बाइट, बटाटा पुरी, पापड़ी चाट, रंगीला मोमोज, न्यूट्री इडली बाउल, गुलाबी रसमलाई, चटपटी पिचकारी पानी पुरी ,मिठाइयों की टोली ,दही बताशे, ढोकला ,गोल्डन बाईट कटलेट, दही बड़ा,फ्लेवर फायर भेलपुरी, प्रेमी लस्सी, अन्नपूर्णा बड़ा, आलू चाट कचालू आदि व्यंजनों को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया। निर्णायक मंडल द्वारा स्वाद, स्वच्छता, सृजनात्मक प्रस्तुति, प्लेटिंग और गार्निशिंग एवं थीम आधारित व्यंजन के आधार पर मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान दही बड़ा,प्रथम स्थान स्ट्रॉबेरी सैगो कस्टर्ड,द्वितीय स्थान प्रेमी लस्सी, तृतीय स्थान चटपटी पिचकारी पानी पूरी, गुजियों की बारात तथा सांत्वना पुरस्कार बादमे बहारा, न्यूट्री इडली बाउल को मिला। इसके अतिरिक्त अन्य उत्कृष्ट स्टॉलों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सारिका जायसवाल एवं संस्कृति विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ दिव्या त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधक डॉ. विजयलक्ष्मी मिश्रा, प्राचार्या डॉ. सुमन सिंह, उप-प्राचार्य डॉ. स्वप्निल पांडेय, आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. रेखा श्रीवास्तव, बी0एड0 विभागाध्यक्ष डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. अनिता सिंह, श्रीमती पूजा गुप्ता, सुश्री हुमा हसन, एवं अन्य प्रवक्तागण तथा समस्त छात्राएँ उपस्थित रहीं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 'करो या मरो' के मुकाबले में भारत के शीर्षक्रम को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

एजेंसी

चेन्नई। शीर्षक्रम की नाकामी और पिछली हार के बाद भारी दबाव से जूझ रही गत चैम्पियन भारतीय टीम को 'जाइंट किलर' जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के 'करो या मरो' के मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से हार के बाद भारत का नेट रनरेट (माइनस 3.80) खराब हो गया है जिससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाये रखने के लिये यह मुकाबला हर हालत में बड़े अंतर से जीतना होगा। इसके लिये पारी की शुरूआत और तीसरे नंबर की समस्या से पार पाना होगा। विश्व कप से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन शानदार फॉर्म में थे जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया था। लेकिन पेट के संक्रमण के बाद से अभिषेक की लय खो गई है। सपाट पिचों पर आफ स्पिनरों के सामने वह अपने पसंदीदा शॉट नहीं खेल पा रहे हैं जिसका भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। सवाल यह है कि आक्रामक बल्लेबाजी की स्वाभाविक शैली को तिलांजलि देकर क्या वह कुछ रन बना सकेंगे। अभिषेक की शैली में ही खेलने वाले इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने अपने खेल में बदलाव किया और पाल्लेकेल में पाकिस्तान के खिलाफ शतक जमाया। उनकी पारी देखकर ही शायद अभिषेक को ऐसा कुछ करने की प्रेरणा मिले। ब्रुक कभी भी स्पिनरों के सामने सहज नहीं रहे लेकिन उन्होंने पाकिस्तानी स्पिन आक्रमण की बखिया उधेड़ दी। उन्होंने रक्षात्मक और आक्रामक बल्लेबाजी का अच्छा तालमेल पेश किया। तिलक वर्मा को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। अभिषेक के खराब फॉर्म के कारण तिलक को ईशान का बखूबी साथ देना चाहिये था लेकिन ऐसा हुआ नहीं। ईशान 193 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पा रहा। सूर्यकुमार यादव ने 180 रन बनाये हैं लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 कैरियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या निचले क्रम पर आक्रामक पारियां नहीं खेलते तो कुछ मैचों में तो भारत का स्कोर सम्मानजनक भी नहीं रहता।

भारत को टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा : रवि शास्त्री

एजेंसी

चेन्नई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार भारत के लिये खतरे की घंटी रही है और अब उसे टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से मिली पराजय के बाद भारत को अब बृहस्पतिवार को जिम्बाब्वे से खेलना है। पिछले टी20 विश्व कप से चले आ रहे 12 मैचों में जीत के सिलसिले पर भी इससे रोक लग गई। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के ताजा अंक में कहा ,'' आपने लगातार 12 मैच जीते तो एक खराब दिन तो आना ही है। लेकिन मुझे खुशी है कि यह जल्दी आ गया। यह भारत के लिये जरूरी खतरे की घंटी रहा। इससे अब टीम को रणनीति और संयोजन पर फिर से विचार करना होगा। उन्होंने कहा ,'' उन्होंने पिछले अनुभव से सबक ले लिया होगा कि चीजों को हलके में नहीं लेना है। एक और मैच हारने से काफी दबाव बन जायेगा। शास्त्री ने भारतीय टीम को अतिरिक्त स्पिनर लेकर उतरने की सलाह दी। उन्होंने कहा ,'' अक्षर पटेल को वापिस लाना ही होगा। आपको उसके अनुभव की जरूरत है। मैं तो कहूंगा कि अक्षर और वॉशिंगटन सुंदर दोनों खेल सकते हैं क्योंकि किसी दिन कोई गेंदबाज तो खराब फॉर्म में होगा है। जैसे रविवार को वरूण चक्रवर्ती था। उन्होंने कहा ,'' अक्षर खेलता है तो आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। पांचवें नंबर पर हार्दिक पंड्या और छठे पर शिवम दुबे हैं। सुंदर सातवें नंबर पर है तो अक्षर पांचवें पर भी आ सकता है। अगर टी20 क्रिकेट में आठ बल्लेबाज भी नहीं चल पा रहे तो कुछ तो गलत है। ऐसे में एक अतिरिक्त गेंदबाज का विकल्प अहम है। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने कहा ,'' कमेंट्री सुनते समय अक्षर को बाहर रखने का कारण यह लगा कि विरोधी टीम में कई खब्बू बल्लेबाज हैं लेकिन दाहिने हाथ के बल्लेबाज भी तो हैं। अक्षर को ऐसे में कप्तान को सही समय पर इस्तेमाल कर सकता था।

संक्षिप्त समाचार

शतरंज में बेईमानी को बढा चढाकर पेश किया गया, इतनी समस्या है नहीं : गुकेश

प्राग। विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने साफ तौर पर कहा है कि शतरंज मे बेईमानी की समस्या उतनी बड़ी नहीं है जितनी उसे पेश किया जा रहा है। गुकेश आनलाइन खेल को प्रभावित करने वाले बेईमानी के खतरे के खिलाफ रूसी ग्रैंडमास्टर ब्लादीमिर क्रामनिक की विवादास्पद मुहिम के पक्षधर भी नहीं हैं। पूर्व विश्व चैम्पियन क्रामनिक ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है चूंकि फिडे ने अमेरिका के दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोदित्स्की और चेक खिलाड़ी डेविड नवारा के खिलाफ धोखेबाजी के आरोपों के लिये उन्हें फटकारा था। नारोदित्स्की की असामयिक मौत काफी चर्चा में रही और उनका आखिरी वीडियो स्ट्रीम भी जिसमें उन्होंने क्रामनिक के आरोपों के कारण मानसिक तनाव की बात की थी। हाल ही में आई एक मेडिकल रिपोर्ट में हालांकि कहा गया कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। गुकेश ने प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के लिये आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं किसी भी तरह के अनुचित खेल के खिलाफ हूं। यह ऐसी समस्या है जो देखने में आई है। मैने न तो कभी बेईमानी की है और उम्मीद करता हूं कि कोई ऐसा नहीं करता होगा। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि लोग इस समस्या को बढा चढाकर पेश कर रहे हैं, इतनी समस्या है नहीं। क्रामनिक के आरोपों की बात करें तो अधिकांश से मैं इत्तेफाक नहीं रखता। मुझे लगता है कि शतरंज जगत में और समरसता और शांति होनी चाहिये। इससे पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन, फिडे अध्यक्ष अर्काडी डीवोरकोविच और भारत के अर्जुन एरिगेसी तथा निहाल सरीन ने भी क्रामनिक की आलोचना की थी क्योंकि वह अपने आरोपों के पक्ष में सबूत नहीं दे सके थे। गुकेश ने कहा ,'' क्रामनिक जो कर रहे हैं, मैं उसके साथ नहीं हूं। पिछले कुछ साल में बेईमानी को लेकर बहुत लोग अतिरंजित प्रतिक्रिया देते आये हैं। इस बीच सुपर टूर्नामेंट के पहले दौर में गुकेश का सामना अमेरिका के हैंस मोक नीमैन से होगा। भारत के अरविंद चिदंबरम की टक्कर उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से होगी।

मैकमोर ने 10 इलेक्ट्रिक यात्री विमान खरीदने को एमडी एयरक्राफ्ट के साथ एलओआई पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। व्यापार प्रबंधन परामर्श कंपनी मैकमोर ने जर्मनी की कंपनी एमडी एयरक्राफ्ट जीएमबीएच के साथ 10 इलेक्ट्रिक क्षेत्रीय यात्री विमानों की खरीद के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर करने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का लक्ष्य क्षेत्रीय हवाई यात्रा की बढ़ती मांग का लाभ उठाना है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने कहा कि यह समझौता नौ-सीट वाले पूरी तरह इलेक्ट्रिक 'शॉर्ट टेक-ऑफ एंड लैंडिंग' (एसटीओएल) यात्री विमान एमडीए1 ईविएटर के लिए शुरुआती प्रतिबद्धताओं में से एक है। यह विमान छोटी क्षेत्रीय हवाई पट्टियों से संचालन के लिए तैयार किया गया है। इसकी परिचालन लागत कम है और यह लगभग शून्य उत्सर्जन करता है। कंपनी के अनुसार, विमान का शुरुआती उड़ान परीक्षण 2028 तक हो सकता है। प्रमाणन के साथ इसके 2030 तक सेवा में आने के आसार हैं। इस समझौते से भारत को शून्य-उत्सर्जन क्षेत्रीय हवाई परिवहन के संभावित शुरुआती विकास बाजार के रूप में स्थापित करने में मदद मिल सकती है। कंपनी ने कहा कि देश में सैकड़ों कम उपयोग में आने वाली हवाई पट्टियां और छोटे व मझोले शहरों में बढ़ती संपर्क की मांग इलेक्ट्रिक क्षेत्रीय विमानों के लिए मजबूत संभावनाएं प्रस्तुत करती हैं। मैकमोर के संस्थापक रवि एंड्रयूज ने कहा, '' भारत की विमानन क्षेत्र में अगली छलांग बदलावकारी होगी। इलेक्ट्रिक क्षेत्रीय विमान परिचालन लागत कम करने और उत्सर्जन में भारी कटौती का वास्तविक अवसर प्रदान करते हैं। एमडी एयरक्राफ्ट जीएमबीएच के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक ग्रेगर मिलर ने कहा, '' यह समझौता व्यावहारिक और प्रमाणन योग्य इलेक्ट्रिक क्षेत्रीय विमानों में बढ़ते वैश्विक भरोसे को दर्शाता है।

कोल इंडिया की इकाई एसईसीएल ने सात खनन अवशेषों के ढेरों की पहचान की,दुर्लभ खनिज की करेगी खोज

नयी दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने दुर्लभ खनिजों के संभावित निष्कर्षण के लिए खनन अवशेषों के सात ढेरों (डंप) की पहचान की है। यह जानकारी कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने दी। खदान 'डंप' से तात्पर्य खदान के कचरे या खनन अवशेषों के ढेर से है। एसईसीएल की यह पहल कोयला खदान अपशिष्ट से मूल्य सृजन को बढ़ावा देने की सरकार की पहल के अनुरूप है। प्रमुख कोयला क्षेत्रों में खनन अवशेषों के 'ओवरबर्डन' ढेर में दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ एलिमेंट्स) के अंश पाए गए हैं जिससे आयात निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। 'ओवरबर्डन डंप', उस बेकार सामग्री के ढेर को कहते हैं जो मुख्य खनिज तक पहुंचने के लिए हटाई जाती है। एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा कि अन्वेषण के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अगले एक वर्ष के भीतर इन ढेर का वैज्ञानिक आकलन कर व्यवहार्य स्थलों की पहचान करने की योजना है। दुहन ने कहा, '' कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में हमने दुर्लभ खनिजों के निष्कर्षण के लिए सात खदान अवशेषों के ढेरों (डंप) की पहचान की है। हमने निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है और एक वर्ष के भीतर हम यह पहचान कर लेंगे कि दुर्लभ खनिज मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी इन स्थानों पर दुर्लभ खनिजों की उपस्थिति और आर्थिक व्यवहार्यता का निर्धारण करने के लिए विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन करेगी। इसमें कोयला खनन के दौरान आमतौर पर फेंके जाने वाले 'ओवरबर्डन' सामग्री पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा एवं रक्षा जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिज, चीन के प्रभुत्व वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चिंताओं के बीच भारत के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता बन गए हैं।

पायबस अफगानिस्तान के मुख्य कोच नियुक्त

काबुल। इंग्लैंड में जन्मे रिचर्ड पायबस को जोनाथन ट्रॉट की जगह अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। ट्रॉट का कार्यकाल मौजूदा टी20 विश्व कप से टीम के बाहर होने के साथ ही खत्म हो गया था। पायबस अगले महीने यूएई में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला से पहले टीम की कमान संभालेंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने मंगलवार को बयान में कहा, एसीबी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रिचर्ड पायबस को अफगानिस्तान राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह मार्च में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की आगामी श्रृंखला से पहले 'अफगानअटलान' टीम से जुड़ेंगे। खिलाड़ी के रूप में उनका करियर चोटों के कारण प्रभावित रहा, लेकिन कोच के तौर पर उन्होंने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। पायबस तीन बार विश्व कप जीतने वाली टीमों के मुख्य कोच और क्रिकेट निदेशक रह चुके हैं। उनके पास शीर्ष स्तर पर काम करने का व्यापक अनुभव और हाई-परफोर्मेंस प्रणाली विकसित करने का रिकॉर्ड है।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका की रफ्तार की चुनौती

एजेंसी

अहमदाबाद। टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय रही वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमें टी20 विश्व कप सुपर आठ के मुकाबले में बृहस्पतिवार को आमने सामने होंगी तो आक्रामक कैरेबियाई बल्लेबाजों को बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण से पार पाना होगा। दक्षिण अफ्रीका ने खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम को पिछले मैच में इसी मैदान पर 76 रन से हराया था जबकि वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को मुंबई में 107 रन से मात दी। वेस्टइंडीज के पास बेहतरीन आक्रामक बल्लेबाज हैं जो अपने दम पर मैच जिताने का माद्दा रखते हैं। अब उनका सामना हालांकि दक्षिण अफ्रीका के ऐसे गेंदबाजी आक्रमण से होगा जिसने रविवार को भारतीय बल्लेबाजों को नाकों चने चबवा दिये थे। मार्को यानसेन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडि ने मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज भी कमतर नहीं

है और डेविड मिलर ने अक्सर संकटमोचक की भूमिका निभाई है। भारत के खिलाफ पावरप्ले में कई विकेट गंवाने के बाद उन्होंने पारी को संभाला।

इस महा मुकाबले में व्यक्तिगत टक्कर पर भी नजरें होंगी मसलन शिमरोन हेटमायेर कैसे रबाडा की गेंदों को खेलते हैं या रोवमैन पॉवेल को महाराज की फिरकी कितना परेशान कर पाती है। मिलर का अनुभव बायें हाथ के स्पिनर अकील हुसैन के सामने कितना काम आता है या यानसेन की गेंदों की उछाल ब्रेंडन किंग को रास आती है या नहीं। यह मैच दिन में खेला जायेगा तो समीकरण अलग होंगे। ओस नहीं होने से टॉस का महत्व उतना नहीं रहेगा। पिच सूखी रहने से शुरूआत में ही स्पिनरों की भूमिका हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने अपने अधिकांश मैच नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर ही खेले हैं जिससे टीम यहां के हालात में ढल चुकी है। इसका फायदा उसे इस महत्वपूर्ण मैच में मिल सकता है। वेस्टइंडीज अगर जीत जाता है तो भारत के लिये मुश्किलें खड़ी हो सकती है। इससे वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब आ जायेगा और दक्षिण अफ्रीका को आखिरी सुपर आठ मैच में जिम्बाब्वे को हराना होगा। ऐसे में भारत को वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

टीमें : वेस्टइंडीजः शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्डे , शिम्रोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शेरफ़ेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

दक्षिण अफ्रीकाः एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नार्किया, क्वेना मफाका, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ।

ब्रुक ने अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली : शाहीन अफरीदी

पाल्लेकल। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार शतक लगाकर इंग्लैंड को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में ले जाने वाले कप्तान हैरी ब्रूक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। ब्रूक ने सुपर आठ के मुकाबले में मंगलवार को 50 गेंद में शतक जड़ा। अफरीदी ने मैच के बाद कहा ,'' मुझे लगता है कि यह उसके कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी थी। उसने खालिस क्रिकेट शॉट्स खेले। विकेट आसान नहीं था। उन्होंने कहा ,''उनके सारे बल्लेबाज जूझ रहे थे लेकिन उसने बेहतरीन पारी खेली। अफरीदी ने चार ओवर में 30 रन देकर चार विकेट लिये लेकिन उनकी टीम दो विकेट से हार गई। मैच के दौरान अफरीदी ने ब्रूक से हाथ मिलाकर उनकी पारी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह इसका हकदार था। यह विश्व स्तरीय पारी थी। हैरी और मैं पीएसएल में साथ खेले हैं और हमारी अच्छी दोस्ती है। उसने लाहौर कलंदर्स के लिये खेला था।

राष्ट्रीयता के आधार पर खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाना चाहिए: ईसीबी

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और 'द हंड्रेड' की फ्रेंचाइजी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी आशंका है कि इस प्रतियोगिता के लिए अगले महीने होने वाली नीलामी में भारतीय स्वामित्व वाली कम से कम चार टीमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों को जानबूझकर नजरअंदाज कर सकती हैं। आठ फ्रेंचाइजी में से चार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) के मालिक आईपीएल के टीमों के मालिक भी हैं और ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने से परहेज कर सकती हैं। पिछले साल 'द हंड्रेड' कि किसी भी टीम का मालिक भारतीय नहीं था इसके बावजूद इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुना गया था। इस टूर्नामेंट के पहले पांच सत्र में पाकिस्तान के केवल नौ खिलाड़ी ही खेल पाए हैं। टीमों के नए मालिक इस सत्र से इन फ्रेंचाइजी का संचालन करेंगे।

ईसीबी और आईपीएल से जुड़े मालिकों सहित 'द हंड्रेड' की सभी आठ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व रखने वाले मालिकों ने संयुक्त बयान में कहा, ''द हंड्रेड की शुरुआत नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या अन्य किसी भी आधार पर हो, हमारे खेल में अपनी जगह महसूस कर सके। खिलाड़ियों को उनकी राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए। बयान के अनुसार, ''टूर्नामेंट को संचालित करने के निकाय के रूप में ईसीबी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भेदभाव के लिए कोई जगह न हो। किसी भी तरह के भेदभाव किए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए नियम बनाए गए हैं। बयान में कहा गया है, ''सभी आठ टीमें इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह से उनके प्रदर्शन, उपलब्धता और प्रत्येक टीम की जरूरतों के आधार पर होगा। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सोमवार को 'द हंड्रेड' में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी। 'द हंड्रेड' की लंदन में होने वाली नीलामी के लिए पाकिस्तान के 67 पुरुष और महिला क्रिकेटरों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें पुरुष टी20 विश्व कप में खेल रहे उसके लगभग सभी खिलाड़ी शामिल हैं।

ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म ने सेबी के पूर्व चेयरमैन अजय त्यागी को निदेशक मंडल में किया शामिल

नयी दिल्ली। यात्रा एवं आतिथ्य मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म ने बाजार नियामक सेबी के पूर्व चेयरमैन अजय त्यागी को अपने निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब प्रिज्म सार्वजनिक बाजारों में पहुंचने और विस्तार की दिशा में अपने निदेशक मंडल एवं कॉरपोरेट कामकाज ढांचे को और मजबूत करना चाहती है। प्रिज्म के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने कहा, '' अजय जी को पूंजी बाजार विनियमन और सार्वजनिक संस्थागत नेतृत्व में गहन अनुभव हैं। प्रिज्म जब विस्तार और उच्च कामकाज मानकों के साथ दीर्घकालिक जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब उनका अनुभव अत्यंत मूल्यवान होगा। अजय त्यागी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1984 बैच के अधिकारी हैं।

मारुति की 'रेल साइडिंग' को वेरा की पहल के तहत विश्व की पहली 'मॉडल शिफ्ट' परियोजना के रूप में मान्यता

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसकी गुजरात 'इन-प्लांट रेलवे साइडिंग' को 'वेरा' की वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड (वीसीएस) पहल के तहत दुनिया की पहली 'मोडल शिफ्ट' परिवहन परियोजना के रूप में मान्यता मिली है। 'मोडल शिफ्ट' से तात्पर्य वाहनों की आपूर्ति के लिए एक परिवहन माध्यम से दूसरे परिवहन पर स्थानांतरित करना है। वाहन विनिर्माता कंपनी ने गुजरात इकाई के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) के जरिये वाहनों की आपूर्ति शुरू की है। कंपनी के अनुसार, सड़क मार्ग से रेल मार्ग की ओर वाहन आपूर्ति (डिस्पैच) स्थानांतरित करने से इस परियोजना के वित्त वर्ष 2023-24 से 2032-33 तक 10 वर्ष की अवधि में करीब 1.7 लाख कार्बन 'क्रेडिट' अर्जित करने की उम्मीद है। कार्बन उत्सर्जन में बचत के स्वतंत्र सत्यापन के बाद 'वेरा' अपने वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड (वीसीएस) कार्यक्रम के तहत कंपनी को 1.7 लाख 'कार्बन क्रेडिट' जारी करेगा। 'वेरा' एक वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो जलवायु कार्रवाई और सतत विकास के लिए मानक विकसित एवं प्रबंधित करता है। यह 'वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड' (वीसीएस) कार्यक्रम का संचालन करता है जो दुनिया का अग्रणी स्वैच्छिक 'ग्रीनहाउस गैस क्रेडिटिंग' कार्यक्रम है। वहीं उच्च-विश्वसनीयता वाले 'कार्बन क्रेडिट' सुनिश्चित करने के साथ-साथ सरकारों और व्यवसायों को विश्वसनीय जलवायु कार्रवाई में सहायता करता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने बयान में कहा, '' वाहनों की आपूर्ति सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित किए जाने से परियोजना दर्शाती है कि कैसे व्यापक परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।

पीएम गतिशक्तिः एनपीजी की बैठक में रेल, मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स की हुई समीक्षा

एजेंसी

पीएम गतिशक्ति के तहत नेटवर्क योजना समूह की 109वीं बैठक संपन्न

नई दिल्ली। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को लेकर हुई एक बैठक में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में दो रेलवे परियोजनाओं, एक मेट्रो परियोजना और एक हवाई अड्डा परियोजना का मूल्यांकन किया गया। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक्स लागत कम होने, यात्रा समय घटने और परियोजना क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) की 109वीं बैठक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में हुई। यह बैठक अवसंरचना परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। इसमें बताया गया कि रेल मंत्रालय ने पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों से होकर गुजरने वाली 210.750 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन का निर्माण प्रस्तावित किया है। प्रस्तावित मार्ग में 27 स्टेशन होंगे। यह जालंधर, होशियारपुर, कंगड़ा, पठानकोट,

कठुआ और सांबा जैसे प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी। इस परियोजना का उद्देश्य इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कॉरिडोर पर रेल क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना और कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। इसके अलावा रेल मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में मानिकपुर और इटारसी के बीच 518.532 किलोमीटर की तीसरी रेल लाइन के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित मार्ग चित्रकूट, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर और नर्मदापुरम जैसे प्रमुख जिलों से होकर गुजरता है, जिससे उत्तरी और मध्य भारत को जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण गलियारे पर रेल संपर्क मजबूत होता है। प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन से परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने, नेटवर्क की मजबूती में सुधार होने और बढ़ती यातायात मांग को पूरा करने तथा भीड़भाड़ को कम करने के लिए अतिरिक्त रेल सेवाओं की शुरुआत होने की उम्मीद है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-27 के निकट रणनीतिक रूप से स्थित असम में सिलचर जिले के डोलू में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास का प्रस्ताव रखा है। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करना और आधुनिक विमानन अवसंरचना तथा बेहतर क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय संपर्क प्रदान करके मौजूदा नागरिक एन्क्लेव की क्षमता संबंधी सीमाओं का समाधान करना है। इसके अलावा आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने गुजरात में सूरत मेट्रो कॉरिडोर ऋ (प्रथम चरण) का सरौली से मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर तक विस्तार प्रस्तावित किया है। 4.4 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड विस्तार में तीन स्टेशन शामिल हैं, जिनमें दो भावी स्टेशनों का भी प्रावधान है। इसका उद्देश्य शहरी परिवहन को बढ़ावा देना और सूरत को क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय परिवहन नेटवर्क से जोड़ना है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

रंगभरी एकादशी पर काशी विश्वनाथ धाम के शिवार्चनम मंच पर होगी 'फूलों की होली'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के गौना उत्सव रंगभरी एकादशी के अवसर पर इस वर्ष श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है। मंदिर प्रशासन ने आयोजन को सुव्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. विश्वभूषण मिश्र ने बुधवार को बताया कि परंपरा के अनुसार बाबा की चल रजत प्रतिमा बाहर से शोभायात्रा के रूप में धाम परिसर लाई जाएगी। काशीवासियों को अपने आराध्य की प्रतिमा के साथ अबीर-गुलाल और रंगों की होली खेलने के लिए आमंत्रित किया गया है। हालांकि, धाम क्षेत्र की संकरी गलियों और संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन तथा महंत परिवार के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है कि प्रतिमा के साथ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अधिकतम 64 तक सीमित रहेगी। इससे अनावश्यक भीड़ पर नियंत्रण रहेगा और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहेगी। सीईओ के अनुसार लोकाचार और सांस्कृतिक शास्त्रीय परंपरा के अनुरूप चल प्रतिमा को गर्भगृह में विराजमान कराया जाएगा, जहां सप्तऋषि आरती सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान विधिपूर्वक संपन्न होंगे। इस वर्ष एक विशेष परिवर्तन करते हुए शिवार्चनम मंच पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान श्रद्धालु परस्पर अबीर-गुलाल नहीं खेलेंगे, अपितु वहाँ 'फूलों की होली' की व्यवस्था की गई है। मंच पर केवल 'फूलों की होली' आयोजित की जाएगी, जिससे सांस्कृतिक गरिमा और स्वच्छता दोनों बनी रहे। कार्यक्रम का समापन ब्रज के रसिकों की मंडली द्वारा प्रस्तुत 'फूलों की होली' से होगा। यह प्रस्तुति काशी और ब्रज की सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक मानी जा रही है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शालीन वेशभूषा में उपस्थित होने और रात्रि 10 बजे तक चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुशासित भाव से आनंद लेने की अपील की है। काशी, जो अपनी ज्ञान परंपरा, विद्वानों और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्वविख्यात है, वहां आयोजित यह पर्व श्रद्धा, शालीनता और सांस्कृतिक समन्वय का अनुपम उदाहरण बने–इसी अपेक्षा के साथ प्रशासन ने सभी भक्तों से सहयोग की अपील की है।

पत्नी– बच्चों के सामने दिनदहाड़े हुई कारोबारी की हत्या के मामले में तीन बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना ईकोटेक- प्रथम क्षेत्र के लुक्सर गांव में कानून और व्यवस्था को शर्मसार करते हुए पत्नी और बच्चों के सामने दिनदहाड़े हुई कारोबारी की हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार की देर रात को एक मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। इसके दो अन्य साथियों को पुलिस ने कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया। उनके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद किया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) सुधीर कुमार ने बताया कि मंगलवार की देर रात को थाना ईकोटेक- प्रथम पुलिस को सूचना मिली कि मंगलवार दोपहर को दिनदहाड़े हुई कारोबारी नितिन नागर की हत्या में वांछित बदमाश ग्राम पुआरी के पास से गुजर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने बदमाशों को घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश मोनू पुत्र सुखबीर निवासी ग्राम लुक्सर के पैर में लगी है। इसके दो अन्य साथियों राजेश व नितिन को पुलिस ने कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों मे मोनू व नितिन गांव लुक्सर के है ,जबकि राजेश घघोला गांव का रहने वाला है। इस मामले में नामित अन्य बदमाशों की पुलिस तलाश कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि वर्ष 2024 के 17 अगस्त को लुक्सर गांव के रहने वाले ठेकेदार विनय सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब जांच में पुलिस को पता चला था कि मृतक नितिन नागर ने ही फोन करके विनय को बुलाया था। उसके बाद वह अपने साथियों के साथ कार मे सवार होकर मौके पर पहुंचा तथा उसके साथ ही शेखर, आकाश, जागन,सुंदर आदि ने विनय की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

झांसी : मढिया मंदिर स्थित घाट का 4.65 करोड़ की लागत से हो रहा कायाकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। योगी सरकार ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखने वाले उत्तर प्रदेश में झांसी जिले के एरच में बेतवा नदी के किनारे स्थित मढिया घाट का सुंदरीकरण का कार्य करा रही है। इस स्थान पर पर्यटन सुविधाओं का विकास कर इसे भव्य रूप दिया जा रहा है। यहां मढिया मंदिर भी स्थित है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मढिया घाट पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए 4.65 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मढिया घाट पर लगभग 62 मीटर लंबा भव्य और सुंदर पक्का घाट तैयार किया गया है। यहां गजेवो, स्टोन सीटिंग बेंच, एलईडी लाइट, बागवानी समेत अन्य सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक घाट पर बैठकर बेतवा नदी की भव्यता और सौंदर्य का नजारा देख सकेंगे। स्थान के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए यहां विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है। पर्यटन विभाग की कवायद है कि इस स्थान के महत्व से लोगों को परिचित कराने के साथ ही इस स्थान को संरक्षित भी किया जा सके। झांसी के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डी.के. शर्मा ने बुधवार को बताया कि एरच में बेतवा नदी के तट पर स्थित मढिया घाट का सुंदरीकरण कार्य कराया जा रहा है। यहां घाट निर्माण के साथ ही आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। विकास कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा।

भारतीय मजदूर संघ ने आठ सूत्रीय मांगों को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को सौंपा। ज्ञापन में श्रमिकों की आठ सूत्रीय मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है। जिला मंत्री प्रदीप सिंह ने बताया कि ये मांगें संघ के 21वें अखिल भारतीय त्रिवार्षिक अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर आधारित हैं। संघ ने सभी क्षेत्रों में श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के लागू करने की मांग की है। साथ ही इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में व्याप्त श्रमिक समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया है। त्रिपक्षीय तंत्र के पुनर्गठन तथा इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस को शीघ्र आहूत करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। ज्ञापन में ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह करने, ईपीएफ और ईएसआईसी की वेतन सीमा में वृद्धि तथा बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के अंतर्गत पात्रता सीमा संशोधित करने की मांग शामिल है। इसके अलावा स्कीम वर्करों और ठेका श्रमिकों को स्थायी करने तथा सामान्य भर्तियों पर लगी रोक हटाने की मांग भी की गई है। संघ ने केंद्र सरकार से श्रमिक हित में त्वरित और सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर दर्ज मुकदमों की हो निष्पक्ष जांच : पवन गुप्ता

कानपुर। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर दर्ज मुकदमों को लेकर कानपुर महानगर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में बुधवार को कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए शंकराचार्य पर अत्याचार बंद करो के नारे भी लगाए। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग करी। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि मांग पत्र में शंकराचार्य के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर संदेह जताते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर लगाए गए मुकदमे को झूठे और द्वेषपूर्ण हैं। जिसकी निष्पक्ष जांच के प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मांग पत्र भेजा जा रहा है, जिससे शंकराचार्य के खिलाफ दर्ज मुकदमों की जांच हो सके। उन्होंने कहा कि यह विवाद विशेष रूप से प्रयागराज के माघ मेले में शंकराचार्य को स्नान से रोकने और उनके खिलाफ दर्ज हालिया पॉस्को मामले के बाद गहराया है। इस दौरान हरीश बाजपई, सैमुअल लकी सिंह, अजय श्रीवास्तव शीलू, पदम मोहन मिश्रा, राम शंकर राय, रमा कांत मिश्रा, विनोद अवस्थी, मोहमद इंतियाज, देव राय ,शाकिर अली आदि मौजूद रहे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

संगठन पर्व में सोमेश्वर महादेव व चाका मंडल अध्यक्षों की घोषणा

- भाजपा जिलाध्यक्ष ने सम्मानित कर दिया संगठन सशक्त करने का मंत्र
- जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचितों को दी शुभकामनाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। संगठन पर्व गठन के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी, प्रयागराज यमुनापार के शेष रहे सोमेश्वर महादेव एवं चाका मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन की घोषणा मंगलवार रात्रि को काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के उपरांत की। घोषणा के साथ ही संगठन में उत्साह का माहौल देखा गया। बुधवार को भाजपा रामपुर कैम्प कार्यालय में जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने नवनिर्वाचित सोमेश्वर महादेव मंडल अध्यक्ष हरिकृष्ण पांडेय एवं चाका मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह पटेल के साथ नवनिर्वाचित जिला प्रतिनिधि अमित पांडेय एवं नागेश्वर निषाद को अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा, łभाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। मंडल स्तर पर मजबूत और सक्रिय नेतृत्व से पार्टी की नीतियां एवं जनसेवा के कार्य अंतिम व्यक्ति तक पहुंचते हैं। सभी नवदायित्व धारियों से अपेक्षा है कि वे समर्पण और अनुशासन के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लिया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने दी।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर पूर्व सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, लोकसभा प्रत्याशी रहे नीरज त्रिपाठी, विधायक करछना पियूष रंजन निषाद, विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधायक बारा डा.वाचस्पति सहित पूर्व विधायक उदयभान करवरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती, विनोद प्रजापति, शिवदत्त पटेल, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, आईटी प्रमुख सतीश विश्वकर्मा, आनन्द तिवारी, मिथिलेश पांडेय, सुभाष कन्नौजिया, प्रदीप पांडेय एवं अन्य जिला पदाधिकारी, कार्यकर्ता व जन प्रतिनिधियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

औद्योगिक आस्थान ख्यामई में बुनियादी सुविधाएं एवं लिंक रोड विकसित करने दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़। प्रभारी जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी योगेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उद्यमियों द्वारा नवीन औद्योगिक आस्थान ख्यामई में बुनियादी सुविधाएं एवं लिंक रोड विकसित करने एवं आवंटित भू-खण्डों को कब्जामुक्त कराने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इस पर उपायुक्त उद्योग एस0पी0 यादव ने बताया कि ख्यामई में 105 औद्योगिक भूखण्ड हैं जिनमें से 90 का आवंटन हो चुका है। 52 भूखण्डों पर भूमि विवाद है। प्रभारी डीएम ने उद्यमियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार गभाना, संबंधित लेखपाल एवं अधिकारियों की पृथक से बैठक कराने के निर्देश दिए ताकि जल्द से जल्द वहां अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जा सके। सीडीएफ एवं तालानगरी में 132 के0बी0ए0 विद्युत उपकेंद्र स्थापना के संबंध में आरएम यूपीसीडा द्वारा दूरभाष पर अवगत कराया गया है कि तालानगरी में भूमि चिन्हित कर स्वीकृति के लिए निदेशालय पत्र भेजा गया है। प्रभारी डीएम ने रिमाइण्डर पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। प्रधानाचार्य आईटीआई द्वारा अवगत कराया गया कि 800 के सापेक्ष 611 शिशिक्षुओं समेत 27 को विद्युत विभाग में नियोजित किया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि लक्ष्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उद्यमी राकेश अग्रवाल द्वारा विकसित किए जा रहे प्लेज पार्क के संबंध में बताया गया कि 90 भूखण्डों में से 15 आवंटित हो चुके हैं। प्रभारी डीएम ने प्लेज पार्क में अवस्थापना सुविधाएं एवं लिंक मार्ग विकसित किए जाने के लिए एक्सईएन पीडब्लूडी को रिमाइण्डर पत्र विकसित करने के निर्देश दिए। तालानगरी में विद्युत ट्रिपिंग की समस्या को लेकर विद्युत विभाग द्वारा बताया कि 15 मार्च तक कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

होली पर बरेली को रेल राहत का बड़ा तोहफा, चलेंगी 48 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। होली के पर्व पर घर जाने की आपाधापी के बीच रेलवे ने बरेली के यात्रियों को बड़ी राहत दी है। बरेली होकर गुजरने वाली 48 से अधिक होली स्पेशल ट्रेनों की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। इन ट्रेनों में स्लीपर और एसी कोच में पर्याप्त सीटें उपलब्ध हैं, जिससे नियमित ट्रेनों पर दबाव कम हुआ है और वेटिंग लिस्ट स्थिर होने लगी है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार 05575/05576 सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल 11 मार्च को सहरसा से तथा 10 और 17 मार्च को आनंद विहार से चलेगी। सहरसा से चलकर यह ट्रेन दूसरे दिन शाम 6:34 बजे बरेली पहुंचेगी और रात 1:05 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में आनंद विहार से सुबह 5:15 बजे चलकर 10:40 बजे बरेली पहुंचेगी। इसी तरह 05579/05580 पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार स्पेशल छह से 15 मार्च के बीच अलग-अलग तिथियों में संचालित होगी और शाम 6:34 बजे बरेली पहुंचेगी। वहीं 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली होली स्पेशल 27 फरवरी और छह मार्च को चलेगी, जो शाम 5:58 बजे बरेली जंक्शन पहुंचेगी। रेलवे के मुताबिक फरवरी के अंतिम सप्ताह तक नियमित ट्रेनें फुल थीं, लेकिन स्पेशल ट्रेनों के संचालन से चार से छह मार्च के बीच कई लंबी दूरी की ट्रेनों में सीटें उपलब्ध हो गई हैं। सामान्य दिनों में बरेली से होकर 102 ट्रेनें गुजरती हैं। 28 फरवरी तक 38 ट्रेनें निरस्त थीं, जिनका संचालन भी मार्च के पहले सप्ताह से शुरू होगा। स्पेशल ट्रेनों को मिलाकर 150 से अधिक लंबी दूरी की ट्रेनें बरेली से होकर गुजरेंगी। इसके अलावा 15020/15019 टनकपुर-देहरादून एक्सप्रेस अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी, जबकि 12035/12036 टनकपुर-दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस को मझोला पकड़िया स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव दिया गया है। रेलवे ने यात्रियों से समय से आरक्षण कराने की अपील की है। संकेत साफ हैं–इस बार होली पर घर पहुंचना पहले से ज्यादा आसान रहेगा।

ग्रीनपार्क का किराया यूपी में सबसे कम होगा, 350 करोड़ से होगा पुनर्विकास : रमेश अवस्थी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम ऐतिहासिक धरोहर होने के साथ-साथ यूपी की खेल पहचान है और इसे विश्वस्तरीय स्टेडियम के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी के लिए ग्रीनपार्क को फिर से बड़े मुकाबलों का केंद्र बनाया जाएगा। स्टेडियम का किराया यूपी में सबसे कम करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। प्रदेश सरकार ने ग्रीनपार्क के पुनर्विकास के लिए 350 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है,जिसमें पहले चरण में 50 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। यह बातें बुधवार को कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने कही।

सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि किराया कम होने से आईपीएल, यूपी टी-20 लीग और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों जैसे बड़े आयोजनों का रास्ता साफ होगा। कहा कि ग्रीनपार्क की ऐतिहासिक विरासत,दर्शकों की जबरदस्त दीवानगी और कानपुर की खेल संस्कृति इसे बड़े टूर्नामेंटों के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। जारी की गई 50 करोड़ रुपये की धनराशि से प्राथमिकता के आधार पर सुविधाओं का उन्नयन कर स्टेडियम को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं तैयार हो सकें। उन्होंने बताया कि ग्रीनपार्क स्टेडियम का किराया वर्तमान में अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण यहां अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन सीमित हो गया है। किराया कम किए जाने से आयोजकों पर आर्थिक बोझ घटेगा और कानपुर एक बार फिर बड़े आयोजनों का केंद्र बन सकेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की तत्कालीन सरकारों ने कभी भी इस ऐतिहासिक धरोहर की ओर ध्यान नहीं दिया। यही कारण है कि आज यह स्टेडियम अंतर-राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी नहीं कर पा रहा है। मैंने शहरवासियों से यह वादा किया था कि इस स्टेडियम को उसका सम्मान वापस दिला कर रहूंगा। इसके लिए मैं प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ का एक बार फिर से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने स्टेडियम के लिए बजट पास कर हजारों लाखों क्रिकेट प्रेमियों को बड़ा तोहफा दिया है। ग्रीनपार्क स्टेडियम का जायजा लेने के दौरान सांसद रमेश अवस्थी के साथ मंडलायुक्त भी मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने बताया कि ग्रीनपार्क में अंतरराष्ट्रीय मैच का किराया कम कराने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। मंजूरी मिलने पर ग्रीनपार्क का किराया यूपी में सबसे सस्ता होगा। बजट में स्वीकृत 50 करोड़ रुपये से प्राथमिक कार्यों के लिए यूपीसीए अधिकारियों के साथ जल्द बैठक कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।